डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23

झुग्गी झोपड़ी

प्रयागराज से प्रकाशित. हम बनेंगे आपकी आवाज हिन्दी दैनिक

Website : www.jhuggijhopri.com www.jjnews.in प्रयागराज,गुरूवार.10 नवंबर,2022 वर्ष–07/अंक–180 प्रष्ठ–08/मूल्य–2 रूपये

जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने इंडोनेशिया जाएंगे पीएम मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले हफ्ते शुरू हो रहे जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इंडोनेशिया के दौरे पर जाएंगे। भारत एक दिसंबर को मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया से शक्तिशाली समूह जी–20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। वहीं पीएम मोदी ने मंगलवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए भारत के जी–20 अध्यक्षता के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण किया।

जी20 समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं। भारत जी20 की अध्यक्षता करेगा वेबसाइट लॉन्चिंग के मौके पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एक दिसंबर से भारत ळ20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है इसलिए आज इस समिट की वेबसाइट, थीम और लोगो को लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आगे कहा कि जी–20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, विश्व व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की लगभग दो–तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है।

लोगो और थीम के जरिए दुनिया को दिया संदेश

पीएम ने कहा कि इस लोगो और थीम के जरिए हमने दुनिया को एक संदेश दिया है। युद्ध के लिए बुद्ध ने जो संदेश दिया था और हिंसा के प्रतिरोध में महात्मा गांधी के जो समाधान हैं, ळ20 के जरिए भारत उनकी वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊर्जा दे रहा है। जी20 शिखर सम्मेलन 15–16 नवंबर को इंडोनेशिया में होगा प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आजादी का अमृत महोत्सव के वर्ष के दौरान जी –20 की अध्यक्षता प्रत्येक भारतीय के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि अगले हफ्ते मैं इंडोनेशिया जाऊंगा। औपचारिक तौर पर इस बात की घोषणा होगी कि भारत को जी20 का अध्यक्ष बनाया जाएगा। जी20 शिखर सम्मेलन 15–16 नवंबर को इंडोनेशिया में होगा।

विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को दूसरा बड़ा झटका

गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए एक महीने का समय भी नहीं बचा है। ऐसे में सभी दलों के शीर्ष नेता राज्य का दौरा कर रहे हैं। इस बीच, विपक्षी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कांग्रेस विधायक भगवान बराड पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए हैं।

63 वर्षीय बराड ने 2017 में गिर सोमनाथ जिले की तलाला सीट से चुनाव जीता था। उन्होंने अपना इस्तीफा गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष जगदीश ठाकोर और विधानसभा स्पीकर नीमाबेन आचार्य को भेजा।

इससे एक दिन पहले दस बार के कांग्रेस विधायक रहे आदिवासी नेता मोहनसिंह रठवा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। वह भी भाजपा में शामिल हुए हैं।

भाजपा के राज्य महासचिव प्रदीप सिंह वाघेला ने अहमदाबाद में पार्टी के मीडिया सेंटर में बराड का स्वागत किया। बराड ने संवाददाओं को बताया कि उन्होंने चार हजार समर्थकों से राय लेने के बाद पार्टी छोड़ने का फैसला किया है और यदि भाजपा चाहती है, तो अगले महीने विधानसभा चुनाव भी लड़ेंगे। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि वह चुनाव में टिकट की शर्त पर भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं।

अगले महीने गुजरात में दो चरणों में मतदान होना है। पहले चरण के लिए 1 दिसंबर और दूसरे चरण के लिए 5 दिसंबर को मतदान होगा। इसके बाद मतगणना 8 दिसंबर को होगी।

बराड ने कहा, मैं भाजपा में इसलिए शामिल हो रहा हूं, क्योंकि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास अभियान का हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं बिना किसी पूर्व शर्त या प्रतिबद्धता के पार्टी में शामिल हो रहा हूं। अगर पार्टी चाहती है तो मैं चुनाव लड़ूंगा। मैं अन्य उम्मीदवारों के लिए प्रचार करूंगा। सोमनाथ और जूनागढ़ जिलों की नौ सीटों पर जीत सुनिश्चित करने के लिए भाजपा के लिए काम करूंगा।

बराड़ अहीर समुदाय के प्रभावशाली नेता हैं। उन्होंने 2007 और 2017 में भी तलाला सीट से चुनाव जीता था। उनके भाई जशुभाई ने भी 1998 और 2012 में इस सीट का प्रतिनिधित्व किया था। तलाला, गिर सोमनाथ जिले के चार विधानसभा क्षेत्रों में से एक है।

संक्षिप्त सार

अमित शाह ने वीडियो पोस्ट कर कहा- प्रधानमंत्री मोदी ने गुजरात के घर-घर में पहुंचाया पानी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो पोस्ट कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के घर–घर में पानी पहुंचाया और किसानों के लिए खेतों की सिंचाई संभव की। 21 साल पहले 2001 में राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर उन्होंने राज्य के नागरिकों को पानी के लिए तरसते देखा तो कई योजनाएं शुरू की थीं, जिनसे लोगों को जल संकट से मुक्ति मिली।शाह ने लिखा कि 21 साल पहले पानी की बूंद–बूंद को तरसते गुजरात के हर घर को आज नल से जल मिल रहा है।

मैनपुरी और रामपुर सीट पर भाजपा–सपा किन चेहरों पर लगा सकती है दांव? जानें दोनों सीटों के समीकरण

पांच राज्यों की पांच विधानसभा और एक लोकसभा सीट पर पांच दिसंबर को उपचुनाव होना है। आठ दिसंबर को हिमाचल और गुजरात चुनाव के साथ इन सीटों के भी नतीजे आएंगे। गुरुवार से इसके लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जिन पांच राज्यों की विधानसभा सीटों पर चुनाव होना है, उनमें ओडिशा की पदमपुर सीट, राजस्थान के सरदारशहर, बिहार की कुरहनी, छत्तीसगढ़ के भानुप्रतापपुर, उत्तर प्रदेश की रामपुर सीट शामिल हैं। इसके अलावा जिस संसदीय सीट पर उपचुनाव होने हैं, वह है उत्तर प्रदेश की मैनपुरी सीट, जो सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के निधन के बाद खाली हुई है।

इसमें सबसे ज्यादा चर्चा रामपुर विधानसभा और मैनपुरी लोकसभा सीट की हो रही है। रामपुर विधानसभा सीट आजम खान को सजा मिलने के बाद खाली हुई है। आइए जानते हैं कि अब इन दोनों सीटों से किनके बीच मुकाबला हो सकता है? समाजवादी पार्टी जिसके पास ये सीटें थीं वो अपना उम्मीदवार किसे बना सकती है? किन नामों की सबसे ज्यादा चर्चा हो रही है? दोनों सीटों का मौजूदा समीकरण क्या है?

पहले चुनाव का पूरा कार्यक्रम जान लीजिए

चुनाव आयोग के मुताबिक, उपचुनाव के लिए 10 नवंबर को अधिसूचना जारी होगी। नामांकन की आखिरी तारीख 17 नवंबर है। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख 21 नवंबर है। पांच दिसंबर को मतदान होगा। मतों की गिनती आठ दिसंबर को होगी। इसी दिन हिमाचल और गुजरात चुनाव के नतीजे भी घोषित किए जाएंगे।

मैनपुरी में अब क्या होगा?

समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव मैनपुरी लोकसभा सीट से 2019 में सांसद चुने गए थे। पिछले महीने 10 अक्तूबर को उनका निधन हो गया था। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मुलायम के निधन के बाद मैनपुरी लोकसभा सीट खाली हो गई है। अब इस सीट पर उपचुनाव होने हैं। इसको लेकर भाजपा और सपा दोनों ने कमर कस ली है। सपा किसी भी हालत में ये सीट अपने हाथ से जाने नहीं देना चाहती है, जबकि भाजपा ने रामपुर और आजमगढ़ लोकसभा की तरह यहां भी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी।

पिछले चुनाव में मुलायम सिंह यादव के खिलाफ भाजपा के प्रेम सिंह शाक्य ने चुनाव लड़ा था। मुलायम को 5.24 लाख वोट मिले थे, जबकि शाक्य के खाते में 4.30 लाख वोट गए थे। चर्चा है कि भाजपा यहां से मुलायम सिंह यादव की बहू अपर्णा यादव या फिर उनके समधी हरिओम यादव को टिकट दे सकती है। मैनपुरी में शाक्य, लोधी वोटर्स की संख्या भी काफी अधिक है। ऐसे में भाजपा अपने पुराने प्रत्याशी पर भी दांव लगा सकती है।

वहीं, सपा की तरफ से अखिलेश यादव परिवार के ही किसी सदस्य को मौका मिल सकता है। धर्मेंद्र यादव, तेज प्रताप यादव या परिवार के किसी अन्य सदस्य को मौका दिए जाने की अटकलें हैं। धर्मेंद्र यादव और तेज प्रताप इस सीट से पहले भी सांसद चुने जा चुके हैं। सपा सूत्रों की मानें तो मुलायम सिंह के निधन के बाद अखिलेश और शिवपाल के रिश्तों में भी नर्मी देखी गई है। ऐसे में ये भी संभव है कि मैनपुरी सीट से अखिलेश यादव अपने चाचा यानी शिवपाल सिंह यादव को चुनाव लड़वा सकते हैं। दोनों के बीच, राजनीतिक दायरे का भी बंटवारा हो सकता है। अखिलेश यूपी और शिवपाल केंद्र की जिम्मेदारी संभाल सकते। ऐसा होने से परिवार का विवाद खत्म हो जाएगा।

शिवपाल सिंह यादव इस ओर इशारा भी कर चुके हैं। सपा में वापसी के सवाल पर उन्होंने हाल ही में मीडिया के सामने बयान दिया था। शिवपाल ने कहा था, ३अभी मैं सही रोल का इंतजार कर रहा हूं। वर्तमान में नेताजी के जाने से हम सभी दुखी हैं।

रामपुर विधानसभा सीट का क्या होगा?

रामपुर विधानसभा सीट पर भी उपचुनाव होना है।आजम खान को तीन साल की सजा मिलने के बाद उनकी विधायकी चली गई। इस वजह से यहां चुनाव हो रहे हैं। इसी साल मार्च में हुए चुनाव में आजम खान ने रामपुर विधानसभा सीट से चुनाव जीता था। आजम को 1.31 लाख वोट मिले थे, जबकि दूसरे नंबर पर रहे भाजपा प्रत्याशी आकाश सक्सेना हनी को 76 हजार वोटों से ही संतोष करना पड़ा था। बसपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों को महज चार–चार हजार वोट मिले थे।

अब आजम को सजा मिलने के बाद उनकी सीट से उनकी पत्नी तंजीन फातिमा चुनाव लड़ सकती हैं। वहीं, भाजपा फिर से आकाश सक्सेना पर दांव लगा सकती है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस से लड़ने वाले नवाब काजिम अली को भी भाजपा से मौका मिल सकता है। नवाब काजिम अली कई बार भाजपा सरकार की तारीफ कर चुके हैं और रामपुर में आजम खान परिवार के खिलाफ खुलकर बोलते रहे हैं।

G–20 समिट में दिखेगा हिमाचली कलाकृतियों का जलवा

अगले सप्ताह इंडोनेशिया में होने वाले जी 20 शिखर सम्मेलन में हिमाचल प्रदेश की कलाकृतियों का भी जलवा दिखेगा। दरअसल, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इस सम्मेलन में वैश्विक नेताओं को हिमाचल प्रदेश की विभिन्न कलाकृतियों को उपहार में देंगे। बता दें कि इस सम्मेलन में ही जी20 के नए अध्यक्ष के रूप में भारत के नाम की औपचारिक घोषणा की जाएगी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले हफ्ते शुरू हो रहे जी–20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इंडोनेशिया के दौरे पर जाएंगे। भारत एक दिसंबर को मौजूदा अध्यक्ष इंडोनेशिया से शक्तिशाली समूह जी–20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा। इस मौके पर पीएम मोदी भारत की तरफ से दुनिया भर के नेताओं को भेंट देंगे। जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी की इस कवायद के पीछे दुनियाभर में हिमाचल की कला और संस्कृति को बढ़ावा देना है। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले दुनियाभर के नेताओं को पीएम मोदी की तरफ से भेंट दिए जाने वाले उपहारों में चंबा रुमाल, कांगड़ा लघु पेंटिंग, किन्नौरी शॉल, हिमाचली मुखटे, कुल्लू शॉल और कनाल ब्रास सेट शामिल है। सरकार का मानना है कि इस भेंट के जरिए भारत और हिमाचल प्रदेश की संस्कृति संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, जापान, ब्राजील, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड और स्पेन सहित कई देशों में दूर–दूर तक जाएगी। क्या है जी–20जी20 समूह दुनिया की प्रमुख विकसित और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं का एक अंतर सरकारी मंच है। इसमें अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया गणराज्य, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, यूनाइटेड किंगडम, अमेरिका और यूरोपीय संघ शामिल हैं। भारत जी20 की अध्यक्षता करेगा इससे पहले मंगलवार को वीडियो–कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पीएम मोदी ने भारत के ळ20 प्रेसीडेंसी के लोगो, थीम और वेबसाइट का अनावरण किया। वेबसाइट लॉन्चिंग के मौके पर पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि एक दिसंबर से भारत ळ20 की अध्यक्षता करेगा। भारत के लिए यह एक ऐतिहासिक अवसर है इसलिए आज इस समिट की वेबसाइट, थीम और लोगो को लांच किया गया है। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बहुत–बहुत बधाई देता हूं। आगे कहा कि जी–20 अंतरराष्ट्रीय आर्थिक सहयोग का प्रमुख मंच है जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 85 प्रतिशत, विश्व व्यापार का 75 प्रतिशत से अधिक और विश्व की लगभग दो–तिहाई आबादी का प्रतिनिधित्व करता है।

जयराम रमेश ने निर्मला सीतारमण को घेरा, मनमोहन सिंह की तारीफ पर गडकरी को बताया मास्टर शेफ

कांग्रेस ने बुधवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1991 के सुधारों को अधूरा बताने वाली उनकी टिप्पणी के लिए कटाक्ष किया और कहा कि मास्टर शेफ नितिन गडकरी ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का साथ देकर इसे पूरी तरह से और अच्छी तरह पकाया है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने मंगलवार को कहा था कि देश पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का 1991 के आर्थिक सुधारों के लिए ऋणी है, जिसे उन्होंने वित्त मंत्री के रूप में शुरू किया था।

सीतारमण ने आर्थिक सुधारों को बताया था आधा–अधूरा सितंबर में एक कार्यक्रम में बोलते हुए सीतारमण ने कहा था कि 1991 के आर्थिक सुधार तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए आधे–अधूरे सुधार थे, जहां अर्थव्यवस्था को सही तरीके से नहीं बल्कि आईएमएफ द्वारा लगाए गए सख्ती के अनुसार खोला गया था।

सीतारमण पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि 16 सितंबर को वित्त मंत्री ने 1991 के सुधारों को अधपका करार देकर छोटा कर दिया था। कल मास्टरशेफ गडकरी ने 1991 के आर्थिक सुधारों के लिए डॉ. मनमोहन सिंह को पूरा श्रेय देते हुए इसे पूरी तरह से और अच्छी तरह से पकाया है। रमेश ने ट्विटर पर कहा, मुझे उम्मीद है कि वह अब इसे पचा सकती हैं। एक कार्यक्रम में गडकरी ने कहा था कि उदार इकोनॉमी के कारण देश को नई दिशा मिली, उसके लिए मनमोहन सिंह का देश ऋणी है। गडकरी ने यह भी याद किया कि पूर्व प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए गए आर्थिक सुधारों के कारण वह 1990 के दशक के मध्य में महाराष्ट्र में सड़क बनाने के लिए धन जुटा सके।

गोरखपुर में सुविधाएं भरपूर, मेले का होगा लाइव प्रसारण

मकर संक्रांति के अवसर पर गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगने वाले मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एक जनवरी से शुरू होकर मंदिर में भारी संख्या में लोग आने लगते हैं। शिवरात्रि तक बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते रहते हैं। ऐसे में भीड़ को नियंत्रित क्षेत्र की सभी सड़कों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया। बिजली विभाग के अधिकारियों को जर्जर तारों एवं पोल ठीक करने

करीब एक महीने तक चलने वाले मेले के दौरान श्रद्धालुओं, पर्यटकों को हर जरूरी सुविधा मिलेगी।

मकर संक्रांति के दिन गुरु गोरखनाथ के दर्शन–पूजन और मेले की सभी गतिविधियों का आकाशवाणी एवं दूरदर्शन पर सजीव (लाइव) प्रसारण होगा।

सोमवार को आयुक्त सभागार में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते कमिश्नर रवि कुमार एनजी ने मकर संक्रांति पर्व एवं मेले की तैयारियों को लेकर जरूरी दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा एवं व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

कमिश्नर ने कहा कि नव वर्ष के पहले दिन से ही करने तथा सुगम यातायात व्यवस्था के लिए पुलिस प्रशासन अभी से अपनी तैयारी कर ले। सुनिश्चित करें कि वाहन पार्किंग स्थल में खड़े हों।

मेला परिसर में चारों तरफ होंगे सीसीटीवी कैमरे

गोरखपुर कमिश्नर ने सुरक्षा व्यवस्था चाक–चौबंद रखने का निर्देश देते हुए कहा कि पूरे मेला परिसर में इस तरह से सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं कि हर कोने पर नजर रखी जा सके। नगर निगम के अधिकारियों को सफाई की पर्याप्त व्यवस्था, मोबाइल शौचालय आदि की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। जीडीए और लोक निर्माण विभाग को मेला को कहा।

स्वास्थ्य विभाग लगाएगा कैंप

कमिश्नर ने निर्देश दिया कि स्वास्थ्य विभाग, मेला के दौरान कैम्प लगाए। आपूर्ति विभाग केरोसिन एवं खाद्यान्न का वितरण कराए। इसी तरह वन विभाग जलौनी लकड़ी की व्यवस्था सुनिश्चित करे। निर्देश दिया कि मेले के दौरान परिवहन विभाग बसों की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था रखें। नागरिक सुरक्षा एवं अन्य स्वयंसेवी संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाए। बैठक में डीआईजी जे. रविंद्र, एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर, डीएम कृष्णा करूणेश सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

13.16 लाख वोटर तय करेंगे प्रत्याशियों का भविष्य

गोरखपुर नगर निकाय के चुनाव में 13 लाख 25 हजार 51 मतदाता प्रत्याशियों के भविष्य का फैसला करेंगे। एक से सात नवंबर तक चले मतदाता अभियान के दौरान कुल 60 हजार 173 नए वोटरों के नाम मतदाता सूची में दर्ज हुए हैं तो वहीं 8,969 वोटरों के नाम काटे गए हैं। नगर निगम में सर्वाधिक 42 हजार 763 वोटर बढ़े हैं जबकि नगर पंचायतों में गोला बाजार में सबसे अधिक 5, 095 वोटर बढ़े हैं। 18 नवंबर को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

अक्तूबर में हुए डोर–टू–डोर मतदाता पुनरीक्षण अभियान के दौरान नगरीय निकाय की मतदाता सूची में कुल 66 हजार 490 नाम बढ़े थे तो 15 हजार 757 वोटरों के नाम कटे थे। यानी अक्तूबर और नवंबर में चले दो मतदाता पुनरीक्षण अभियान के दौरान सवा लाख से ज्यादा वोटर बढ़े।

पिछले अभियान में बड़हलगंज नगर पंचायत में एक भी वोटर नहीं बढ़ा था, इस अभियान में भी वहां खाता नहीं खुल सका।

निकाय चुनाव के मद्देनजर परिसीमन का काम पूरा हो चुका है और वार्डों के आरक्षण तय करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। जिला प्रशासन की तरफ से जल्द ही आरक्षण की प्रस्तावित सूची तैयार कर शासन को भेज दी जाएगी। उधर पार्टियों, दावेदारों ने भी तैयारी तेज कर दी है। बैनर, पोस्टर और होर्डिंग के साथ ही प्रचार के लिए डिजिटल प्लेटफार्म का खूब इस्तेमाल किया जा रहा है।

1155 बूथों पर होगी वोटिंग

नगर निकाय चुनाव के लिए कुल 1,155 बूथ बनाए गए हैं। इनमें नगर निगम में सर्वाधिक 804 बूथ हैं। सहजनवां में 36, बांसगांव में 22, मुंडेरा बाजार में 30, पीपीगंज में 47, पिपराइच में 37, गोला बाजार में 37, बड़हलगंज में 38, कस्बासंग्रामपुर में 22, चौमुखा में 25, उरुवां बाजार में 25 तथा घघसरा बाजार में 32 बूथ बनाए गए हैं।

विज्ञापन दर

समाचार पत्र का साइज 25x32

फुल पेज कलर प्रथम पेज 74 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज कलर अंतिम पेज 49 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W प्रथम पेज 35 हजार रूपये मात्र।
फुल पेज B/W अंतिम पेज 19 हजार रूपये मात्र।
4x6 प्रथम पृष्ठ 3000 और दूसरी पेज 2000 ब्लैक और कलर प्रथम पृष्ठ 5000 दुतीय पेज 3000
क्लासीफाइड विज्ञापन 250 रूपये मात्र।
क्लासीफाइड मंथली पांच हजार रूपये मात्र।
कोर्ट नोटिस प्रथम पार्टी 450 रूपये मात्र।

अधिक जानकारी के लिए कार्यालय मे सम्पर्क करे।
9918366626

रेल के सफर में 'सामान' बन गए हैं मुसाफिर

गोरखपुर जिले के गोला क्षेत्र निवासी प्रसिद्ध कुमार दिल्ली में एक निजी कंपनी में काम करते हैं। छठ पर्व पर वह घर आए थे और बुधवार तक हर हाल में उन्हें वापस दिल्ली जाना था। किसी भी ट्रेन में कन्फर्म टिकट नहीं मिला, तो गोरखधाम एक्सप्रेस से यात्रा करने के लिए स्टेशन पहुंचे। जनरल टिकट ले लिया, जब कोच में पहुंचे तो सीटें फुल थीं। ऐसे में सामान रखने के लिए बने लगेज स्टैंड पर बैठ गए। बोले, अब तो सफर में हम 'सामान' बन गए हैं।

दरअसल, त्योहारों के बाद से ट्रेनों में इस कदर भीड़ हो रही है कि कुछ यात्री जनरल कोच में चढ़ने की भी हिम्मत भी नहीं जुटा पा रहे हैं। मंगलवार को गोरखधाम एक्सप्रेस के जनरल कोच में चढ़ने के लिए लंबी लाइनें लगी थीं। जैसे ही ट्रेन प्लेटफॉर्म नौ पर आई, लोग सीट कब्जा करने के लिए दौड़ पड़े। जिन्हें सीट नहीं मिली, वे सामान रखने की जगह पर ही बैठ गए।

रुस्तमपुर के सुशील पांडेय का कहना था कि यह यात्रा सांसत भरी है, लेकिन किसी भी तरह काम पर पहुंचने की मजबूरी है। गोरखधाम एक्सप्रेस जैसा ही नजारा सभी ट्रेनों में है।

वैशाली एक्सप्रेस, बिहार संपर्कक्रांति एक्सप्रेस, सप्तक्रांति एक्सप्रेस, सत्याग्रह एक्सप्रेस, शहीद एक्सप्रेस, कुशीनगर एक्सप्रेस, एलटीटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस सहित सभी ट्रेनों में जबरदस्त भीड़ हो रही है।

स्लीपर कोच में वैसे तो जिनके पास कन्फर्म टिकट है, उन्हें ही यात्रा करने की अनुमति है। लेकिन, बहुत सारे ऐसे यात्री भी कोच में चढ़ रहे हैं, जिनके पास वेटिंग टिकट है। ऐसे में महीनों पहले कन्फर्म टिकट बुक कराने वाले यात्रियों की सांसत हो रही है।

प्रेमिका के धोखे से आहत युवक ने फेसबुक लाइव पर काटा गला

धोखा हमेशा विश्वास के साथ लिपटा रहता है, जहां विश्वास होगा, धोखा भी वहीं मिलेगा। कुछ ऐसा ही देखने को मिला उत्तर प्रदेश के महराजगंज जिले के पुरंदरपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में। यहां एक प्रेम प्रसंग की चर्चा सोशल मीडिया से लेकर आम लोगों के बीच खूब हो रही है। युवक प्रेमिका से धोखा मिलने के बाद सोशल मीडिया पर लाइव आकर प्रेमिका की बेवफाई का जिक्र करते हुए खुद का गला ग्लेंडर मशीन से काट लेता है। इस घटना के बाद से ही जिले में हड़कंप मच गया है।

जानकारी के मुताबिक, युवक का क्षेत्र के एक युवती से प्रेम प्रसंग चल रहा था। जो कुछ दिन पहले हैदराबाद काम करने चला गया था। इसी बीच युवती के परिजनों ने उसकी शादी कही और तय कर दी। जिसकी भनक युवक को लगी तो प्रेमिका से संपर्क साधने की काफी कोशिश करने लगा। प्रेमिका से संपर्क नहीं होने से वह आहत हो गया।

नाराजगी में उसने सोशल मीडिया पर लाइव आकर ग्लेंडर मशीन से खुद का गला काट लिया। लाइव वीडियो पर गला काटने की घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। युवक के जानने वालों ने तत्काल उसके परिजनों को सूचना दी। अब वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

वायरल वीडियो में गला काटने से पहले युवक कह रहा है कि भाई नंबर डाल दिया हूं। सभी लोग देख लें। इसकी भी शादी नहीं होनी चाहिए। जैसे मेरी नहीं हुई है। सभी दोस्तों से रिक्वेस्ट करता हूं। अब किसी से मेरी मुलाकात नहीं होगी। उसके बाद बगल में रखे ग्लेंडर मशीन उठा युवक ने खुद का गला काट लिया। इस संबंध में पुरंदरपुर थाना प्रभारी उमेश कुमार ने कहा कि मामले की जानकारी मिली है। सूचना पाकर परिजन हैदराबाद के लिए रवाना हो गए है। तहरीर मिलने के बाद कार्रवाई की जाएगी।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान करने गए पांच किशोर नदी में डूबे, दो को बचाया

गोरखपुर जिले के अलग–अलग स्थानों पर कार्तिक पूर्णिमा पर परिवार वालों के साथ नदी में स्नान करने गए पांच बच्चे गहरे पानी में डूब गए। ग्रामीणों की मदद से दो को बचा लिया गया, लेकिन तीन का पता नहीं चला। उनकी तलाश अब भी जारी है। एक घटना कैंपियरगंज के भौराबारी रोहिन नदी के घाट पर हुई तो वहीं दो घटनाएं बेलघाट और गोला इलाके में सरयू नदी के घाट पर हुईं।

कैंपियरगंज प्रतिनिधि के मुताबिक, भौराबारी में रोहिन नदी में नहाने गए रामनगर निवासी कृष्ण जायसवाल (12), अभिषेक (14) और हिमांशु (13) डूब गए। सूचना पर घाट पर सनसनी फैल गई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से अभिषेक व हिमांशु को बचा लिया गया, लेकिन कृष्ण जायसवाल का पता नहीं चला। उसकी तलाश जारी है।

गोला प्रतिनिधि के मुताबिक, क्षेत्र के बांहपुर गांव निवासी रूदल चौधरी का एकलौता बेटा 12 वर्षीय रोशन सुबह गांव के लड़कों के साथ सरयू नदी के रामामऊ घाट पर स्नान करते समय गहरे पानी में चला गया, जिससे डूब गया। मौके पर उपस्थित लोगों की सूचना पर पुलिस स्थानीय गोताखोरों के मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी है। वह कक्षा 7 का छात्र है। दो बहनों से बड़ा है।

बेलघाट प्रतिनिधि के मुताबिक, बेलघाट थाना क्षेत्र के सेमरी घाट पर मंगलवार को सरयू नदी में स्नान करने गया 16 वर्षीय बालक डूब गया। क्षेत्र के लोनानागर गांव निवासी रामलक्षन मौर्य उर्फ रूदल का पुत्र सत्यम उर्फ जगराम माता–पिता और गांव के कुछ लड़कों के साथ सेमरी घाट पर नहाने गया था। स्नान करते समय वह गहरे पानी में चला गया, जिससे डूब गया। उसकी तलाश की जा रही है। वह नौवीं का छात्र है। तीन भाई–बहनों मे सबसे छोटा है।

कदम्ब का फल खाएं, आंखों की रोशनी बढ़ाएं

आमतौर पर कदम्ब के पेड़ का उपयोग कागज बनाने और लकड़ी के उद्योग में किया जाता है, लेकिन इसका फल पेड़ से भी अधिक उपयोगी है। इसमें दर्द निवारण की नेचुरल थेरेपी होती है और आंखों की रोशनी के लिए भी फायदेमंद है। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) के भौतिक विज्ञान विभाग के शोध में यह दावा किया गया है।

यह शोध टेलर एंड फ्रांसिस समूह के अंतरराष्ट्रीय जर्नल एनालिटिकल लेटर्स में चार नवंबर 2022 को प्रकाशित किया गया है। भौतिक विज्ञान विभाग के प्रो. केएन उत्तम के नेतृत्व में शोधार्थी छवि बरन, आराधना त्रिपाठी, अपर्णा तिवारी, आरती जायसवाल, सृष्टि शर्मा और ऐश्वर्या अवस्थी की ओर से किए गए इस शोध में कई ऐसे जैविक एवं रासायनिक तत्व और खनिज पाए गए हैं, जो सेहत के लिए काफी फायदेमंद हैं।

कंफोकल माइक्रोरमन स्पेक्ट्रोस्कोपी तकनीक से हुए इस शोध में पता चला है कि कदम्ब का फल क्लोफिल, कैरोटेनॉइड, ट्राइटरपेंस, ट्राइटरपेनॉइड ग्लाइकोसाइड्स, फ्लेवोनोइड्स, सैपोनिंस, इंडोल एल्कलॉइड्स, टेनिन और आयरन, कैल्शियम, जिंक, कॉपर, मैग्नीशियम, कॉपर, पोटैशियम और मैगनीज जैसे खनिजों का समृद्ध स्नोत है।

पेट में गैस से होने वाली जलन, आंखों की सूजन, बुखार, यूरिन इंफेक्शन, मलेरिया जैसी बीमारियों के नियंत्रण में यह काफी कारगर है। इसके उपयोग से घाव भी जल्दी भर जाता है। कच्चे फल के पकने तक पांच चरणों में हुए शोध के दौरान यह भी देखा गया कि शुरुआत में क्लोरोफिल बनता है, जो बाद में कैरोटेनॉइड में तब्दील हो जाता है।

कैरोटोनॉइड एक तरह का एंटी ऑक्सीडेंट हैं, जो विटामिन का भंडार है। आंखों की रोशनी के लिए इसे काफी फायेदमंद माना जाता है। प्रो. उत्तम ने बताया कि अत्यधिक पौष्टिक एवं औषधीय मूल्य होने के बावजूद जानकारी की कमी के कारण कदम्ब के फल का उपयोग बहुत कम किया जाता है। शोध में पता चला है कि फल के गूदे और इसकी ऊपरी सतह पर औषधीय गुणों का भंडार है।

धूप से बचाव के लिए लगाते हैं पेड़

आमतौर पर लोग धूप से बचाव के लिए कदम्ब का पेड़ लगाते हैं। इस पेड़ की विशेष देखरेख की जरूरत नहीं पड़ती, सो सड़क किनारे भी कदम्ब का पेड़ लगा दिया जाता है। प्रो. उत्तम बताते हैं कि असिंचित भूमि में भी यह पेड़ आसानी से फलता–फूलता है और गर्मी में तेज धूप से बचाता है। यह आसपास के पेड़–पौधों की प्रतिरक्षा के काम में भी आता है।

गोलाकार होता है फल

कदम्ब का फल गोलाकार होता है। फल की सतह पर हल्के कांटे होते हैं। शुरुआत में यह फल गाढ़े हरे रंग का होता है। इसके बाद हल्के हरे, फिर हल्के पीले और पूरी तरह से पकने के बाद गाढ़े पीले रंग का हो जाता है। फल खराब होने की स्थिति में इसका रंग काला होने लगता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास एवं निर्माण कार्यों के प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न

जिलाधिकारी श्री संजय कुमार खत्री की अध्यक्षता में बुधवार को संगम सभागार में निर्माण एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए सभी सम्बंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों को उपलब्ध धन के सापेक्ष गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कराये जाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार्य नहीं होगी। बैठक में कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के अभियंता के अनुपस्थित रहने एवं कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए जिलाधिकारी ने उनका वेतन रोके जाने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी ने एसटीपी फाफामऊ, नैनी सहित अन्य किए जा रहे निर्माण कार्यों का टीम बनाकर सत्यापन कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को निरंतर फील्ड भ्रमण कर कराये जा रहे निर्माण कार्यों का अनुश्रवण करने के निर्देश दिए है। विकास प्राथमिकता वाले 37 बिंदुओं की समीक्षा करते जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियंता सिंचाई नहर प्रखण्ड से नहर के संचालन की स्थिति के बारे में जानकारी लिए जाने पर अधिशाषी अभियंता नहर प्रखण्ड ने बताया कि नहर का संचालन 15 नवम्बर से शुरू होगा। जिलाधिकारी ने सख्त हिदायत देते हुए कहा है कि नहरों में टेल तक अनिवार्य रूप से पानी पहुंचे, इसमें किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं होनी चाहिए। विद्युत विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग के अभियंताओं को विद्युत कनेक्शन समय से दिए जाने एवं विद्युत बिल की समस्याओं को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित किए जाने का निर्देश दिया है। पशुपालन विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निराश्रित गोवंशों के टीकाकरण का कार्य शीघ्रता से पूर्ण कराये जाने का निर्देश मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को दिया है। उन्होंने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों में अनिवार्य रूप से चारा–भूसा इत्यादि की पर्याप्त व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया है। उन्होंने निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलो में संरक्षित गोवंशों की ईयर टैगिंग का कार्य शत–प्रतिशत पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। कायाकल्प योजना के तहत प्राथमिक स्कूलों में कराये जाने वाले कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने शेष बचे हुए कार्यों को प्राथमिकता पर कराये जाने का निर्देश दिया है। बैठक में आयुष्मान योजना के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड बनाये जाने की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अभियान चलाकर पात्र लोगो का गोल्डेन कार्ड बनाये जाने का निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दिया है। जिलाधिकारी ने कराये गये वृक्षारोपण के कार्य का टीम बनाकर सत्यापन कराये जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने हेल्थ एण्ड वेल्नेस सेंटर के निर्माण कार्य को शीघ्रता से पूर्ण कराने एवं कराये गये कार्यों का सत्यापन भी कराये जाने के लिए निर्देशित किया है। जिलाधिकारी ने गड्ढ़ा मुक्ति के कार्य को अनिवार्य रूप से निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किए जाने का निर्देश दिया है। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को शत–प्रतिशत विद्यालयों में एण्टीलार्वा का छिड़काव करवाये जाने के लिए कहा है।

विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2023 का हुआ शुभारम्भ

उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हर्षदेव पाण्डेय ने बुधवार को सेंट एन्थोनी गर्ल्स इण्टर कालेज में 09 नवम्बर, 2022 से चलने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम–2023 का फीता काटकर शुभारम्भ किया। उप निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि अर्हता दिनांक 01.01.2023 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम–2023 का उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यावधिक रखना, अर्ह व्यक्तियों का नाम शामिल करना, अनर्ह व्यक्तियों का नाम हटाना तथा लिपिकीय त्रुटियों को शुद्ध करना है। उन्होंने बताया कि वर्ष में 4 अर्हक तिथियां क्रमशः 01 जनवरी, 01 अप्रैल, 01 जुलाई एवं 01 अक्टूबर निर्धारित की गयी है। यथा एक पात्र व्यक्ति जो 01.01.2023 वर्ष में पश्चातवर्ती अर्हता तारीखों अर्थात 01 अप्रैल, 2023, 01 जुलाई, 2023, 01 अक्टूबर, 2023 में से किसी को 18 वर्ष की आयु प्राप्त करने वाला है, वह भी सूचना की तारीख से अग्रिम में प्रारूप–6 में निर्वाचक नामावली में अपना नाम सम्मिलित करने के लिए दावा कर सकेगा। उप जिलाधिकारी निर्वाचक अधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा निर्वाचन नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण सम्बंधी कार्यक्रम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन 09.11.2022 को, दावे/आपत्तियां प्राप्त करने की अवधि 09.11.2022 से 08.12.2022 तक, पुनरीक्षण अवधि में दावे/आपत्तियों को प्राप्त किए जाने हेतु 12.11.2022, 20.11.2022, 26.11.2022, 04.12.2022 को विशेष तिथियां निर्धारित की गयी है। दावे और आपत्तियों की जांच/निस्तारण 26.12.2022 तक किया जायेगा। पूरक सूचियों का मुद्रण, फोटो आदि सम्पूर्ण कार्यवाही 03.01.2023 है। उन्होंने बताया कि निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन 05.01.2023 को किया जायेगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि कोई भी अर्ह व्यक्ति मतदाता बनने से वंचित न होने पाये तथा कोई भी अनर्ह व्यक्ति मतदाता सूची में शामिल न होने पाये।

जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ भाजपा है (गणेश केसरवानी)

9 नवंबर प्रयागराज, भारतीय जनता पार्टी के द्वारा वार्ड स्तरीय बैठक में आज वार्ड नंबर 21 नया पुरवा वार्ड की बैठक नया पुरवा पार्क में आयोजित की गई इस अवसर भाजपा महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि नगर निगम के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रयागराज नगर निगम में सर्वाधिक वार्डों में कमल खिलाने के लिए लक्ष्य साध कर कार्य कर रही है इसलिए हम सभी को अपने वार्ड की टीम को और मजबूत बनाकर घर–घर जनसंपर्क कर केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं के द्वारा दिए गए लाभ को हमें जनता के बीच में बताना है और कहा कि अभी हाल में हुए देश के अंदर विधानसभा के उपचुनाव में भाजपा की जीत ने यह तय कर दिया कि जनता का विश्वास सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही है इसलिए हम सब की यह जिम्मेदारी है कि इस विश्वास को हमें कायम रखना होगा। इस अवसर पर मुख्य रूप से पूर्व पार्षद भोला तिवारी,सुशीला देवी, राजेश केसरवानी, अरुण सिंह एवं वार्ड के सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

माफिया मुख्तार की पत्नी का भाई आतिक गिरफ्तार

माफिया मुख्तार अंसारी के साले और विधायक अब्बास अंसारी के मामा सरजील रजा उर्फ आतिफ को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने गाजीपुर से गिरफ्तार कर लिया। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में यह कार्रवाई की गई। सोमवार शाम जिला कारागार से रिहा होते ही शाम 7.30 बजे ईडी की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। इससे पूर्व टीम ने करीब डेढ़ घंटे तक कारागार गेट पर ही कागजी कार्रवाई पूरी की। देररात ईडी की टीम उसे लेकर प्रयागराज पहुंची। ईडी ने उसे कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने आरोपी को 7 दिनों की रिमांड पर ईडी को सौंप दिया।

नंदगंज थाना क्षेत्र के फत्तेहउल्लाहपुर में सरकारी ताल पर कब्जा करने के साथ ताल को पाटकर गोदाम तक आने–जाने के लिए रास्ते का निर्माण करा दिया गया था। इस मामले में नंदगंज थाने में राजस्व विभाग की टीम ने मुख्तार अंसारी की पत्नी अफ्शा अंसारी, साले अनवर शहजाद, सरजील रजा उर्फ आतिफ के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। साथ ही गोदाम को कुर्क करके रास्ते को भी खोदवाकर ताल की जमीन में मिलवा दिया था। इसी मामले में बीते सितंबर महीने में सरजील रजा एवं अनवर शहजाद ने न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया था। जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया था। करीब डेढ़ सप्ताह पूर्व ईडी प्रयागराज इकाई की टीम ने जिला जेल गाजीपुर पहुंचकर सरजील रजा उर्फ आतिफ और अनवर शहजाद से पूछताछ की थी। सरजील रजा उर्फ आतिफ के जमानत से जुड़े सभी दस्तावेज कोर्ट के माध्यम से सोमवार को जेल प्रशासन को प्राप्त हो गए थे।

शाम करीब सात बजे जेल से रिहाई के बाद बाहर मौजूद ईडी के अफसरों ने कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद सरजील रजा को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही उसे लेकर प्रयागराज के लिए रवाना हो गई। एसपी गाजीपुर रोहन पी बोत्रे ने बताया कि ईडी ने संपर्क किया था। सरजील रजा को प्रयागराज ले जाने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर दिए गए थे।

ट्रान्सजेण्डर व्यक्तियों के पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र हेतु पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न

डॉ0 लालजी प्रसाद निर्मल, मा0अध्यक्ष, उ0प्र0 अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड, लखनऊ, श्री भग्गूलाल वाल्मिकी, मा0 सदस्य राज्य निगरानी समिति, उ0प्र0, महामण्डलेश्वर सुश्री कौशाल्या नंद गिरि, मा0 सदस्य, उ0प्र0 ट्रान्सजेण्डर कल्याण बोर्ड, लखनऊ एवं सुश्री वैष्णवी नन्द गिरी, मा0 सदस्य, ट्रान्सजेण्डर कल्याण बोर्ड, प्रयागराज की गरिमामयी उपस्थिति में ट्रान्सजेण्डर व्यक्तियों के पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र हेतु बुधवार को सरस सभागार, विकास भवन में पंजीकरण कार्यक्रम का आयोजन सम्पन्न हुआ। उक्त कार्यक्रम में लगभग 50 से अधिक ट्रान्सजेण्डर व्यक्तियों द्वारा प्रतिभाग किया गया, जिनमें 08 प्रतिभागियों का मौके पर पंजीकरण किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा बताया है कि जनपद प्रयागराज में उभयलिंगी/किन्नर/ट्रान्सजेण्डर व्यक्तियों को पहचान पत्र एवं प्रमाण पत्र निर्गत किये जाने की प्रक्रिया भारत सरकार द्वारा विकसित वेब पोर्टल जतंदेहमदकमत.कवेरम.हवअ.पद पर पूरी तरह ऑनलाइन एवं निःशुल्क है। ट्रान्सजेण्डर/उभयलिंगी व्यक्तियों द्वारा पंजीकरण हेतु अपना आवेदन स्वयं साइबर कैफे/जनसुविधा केन्द्रों के माध्यम से भी किया जा सकता है। पंजीकरण हेतु ई–मेल आई.डी., मोबाइल नम्बर, आधार कार्ड/पैन कार्ड/जन्म प्रमाण पत्र/वोटर आईडी/राशन कार्ड/पासपोर्ट/बैंक पासबुक/मनरेगा कार्ड/जाति प्रमाण पत्र (अनु0जाति/अनु0जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अन्य), निर्धारित प्रारूप पर शपथ पत्र एवं पासपोर्ट साइज फोटो की आवश्यकता होती है। ट्रान्सजेण्डर व्यक्तियों की संरक्षा/सुरक्षा हेतु जनपद स्तर पर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में ''ट्रान्सजेण्डर सुरक्षा प्रकोष्ठ'' गठित करने वाला प्रयागराज प्रदेश में अग्रणी जनपद है। उक्त सुरक्षा प्रकोष्ठ में थाना कर्नलगंज, प्रयागराज के निरीक्षक एवं 02 आरक्षी तथा सामजिक कार्यकर्ता के रूप में श्री शीतला प्रसाद श्रीवास्तव को सदस्य बनाया गया है।

डॉ0 लालजी प्रसाद निर्मल द्वारा बताया गया कि ट्रांसजेण्डर व्यक्तियों हेतु प्रदेश के प्रत्येक कार्यालय, शिक्षण संस्थाओं, अस्पताल एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर पृथक शौचालय बनाये, शैक्षिक संस्थानों में ट्रांसजेण्डर समुदाय को रैंगिग के विरूद्ध संरक्षण दिये जाने, जनपद के थानों में ट्रांसजेण्डर सुरक्षा सेल स्थापित किये जाने तथा प्रदेश में निवासरत किन्नर समुदाय के व्यक्तियों की सही संख्या ज्ञात करने के लिए हेतु मा0 मुख्यमंत्री जी के निर्देशन में कार्य किया जा रहा है। जिसके अनुपालन में जिलाधिकारी प्रयागराज द्वारा जनपद प्रयागराज में सम्बन्धितों को दिशा निर्देश भी निर्गत किये जा चुके हैं।

महामण्डलेश्वर सुश्री कौशाल्या नंद गिरि द्वारा अपने उद्बोधन में अवगत कराया गया कि मोतीलाल नेहरू मण्डलीय चिकित्सालय (काल्विन), प्रयागराज में उनके द्वारा ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्तियों के इलाज हेतु पृथक से 05 बेड के एक वार्ड उद्घाटन किया गया है, जिसमें ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्ति अपना इलाज करवा सकते हैं। जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ट्रांसजेण्डर समुदाय के शिक्षित एवं योग्य व्यक्तियों को मुख्य धारा में लाये जाने के उद्देश्य से सरकारी संस्थाओं में सेवायोजित किये जाने हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जा रही है, जिसके तहत ट्रांसजेण्डर व्यक्तियों को उनकी योग्यता एवं दक्षता अनुरूप सेवायोजन कार्यालय के माध्यम से उन्हें रोजगार प्रदान किया जायेगा। इस सम्बन्ध में ट्रांसजेण्डर समुदाय के व्यक्ति अपने शैक्षिक अभिलेखों सहित कार्यालय, जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रयागराज में अपना प्रत्यावेदन दे सकतें हैं। उक्त कार्यक्रम में ''ट्रान्सजेण्डर सुरक्षा प्रकोष्ठ'' के सम्मानित सदस्य श्री ए0एन0राय, निरीक्षक, थाना–कर्नलगंज, प्रयागराज एवं श्री शीतला प्रसाद श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

(त्रिनेत्र कुमार सिंह)
जिला समाज कल्याण अधिकारी,
प्रयागराज।

झुग्गी झोपड़ी
हिन्दी दैनिक

सम्पादकीय

राजनीति के पुष्पा बनना चाहते हैं केसीआर

हाल ही में तेलंगाना विधानसभा की मुनूगोड़े सीट पर हुए उपचुनाव में राज्य में सत्तारूढ़ तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) ने जीत दर्ज की है। 30 अक्तूबर को एक चुनावी रैली में मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने कहा था कि इस चुनाव में पार्टी की जीत उनकी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के लिए राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने का मार्ग प्रशस्त करेगी। केसीआर ने हाल ही में राष्ट्रीय राजनीति की अपनी महत्वाकांक्षा का प्रदर्शन करते हुए तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम भारत राष्ट्र समिति करने का एलान किया था।

ऐसे में एक घटना का जिक्र करना लाजिमी होगा। हाल ही में जब केसीआर सरकार के एक मंत्री केटी रामा राव (केटीआर) से केसीआर की राष्ट्रीय राजनीति की महत्वाकांक्षा के बारे में पूछा गया था, तो उन्होंने कहा था, जब पुष्पा जैसी तेलुगू फिल्म देश में तूफान खड़ा कर सकती है, तो राष्ट्रीय राजनीति में बाहुबली दृष्टिकोण वाले केसीआर सफल क्यों नहीं हो सकते? टीआरएस सुप्रीमो के बेटे और टीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष होने के नाते केटीआर ने जो कुछ कहा है, उसके राजनीतिक निहितार्थ स्पष्ट हैं।

वास्तव में केसीआर 2018 से राष्ट्रीय राजनीति में कदम रखने और गैर भाजपा, गैर कांग्रेस गठबंधन बनाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह अब तक इसमें सफल नहीं हो सके हैं। 2019 में भाजपा को मिली भारी जीत के बाद यह विचार ठंडे बस्ते में चला गया था। लेकिन पिछले कुछ महीनों के दौरान देश के विभिन्न राज्यों का दौरा करने के बाद केसीआर ने अपनी क्षेत्रीय पार्टी का नाम बदलकर उसे राष्ट्रीय रूप देने की कोशिश की है। भाजपा जैसी शक्तिशाली और अच्छी तरह से स्थापित राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी को राष्ट्रीय राजनीति में चुनौती देने का उनका विचार सुपर हिट तेलुगु फिल्म पुष्पा के नायक के चरित्र के साथ बहुत मेल खाता है, जिसके बारे में केटीआर बात कर रहे थे।

हालांकि भाजपा को चुनौती देने के उनके संकल्प के पीछे कोई ठोस चुनावी रणनीति नजर नहीं आती। भाजपा से लड़ने के लिए जिस आधार पर उन्होंने जवाब दिया, वह उनका तथाकथित तेलंगाना शासन मॉडल है। लेकिन यह मॉडल काफी हद तक दलित बंधु (अनुसूचित जातियों के लिए) और रायतु बंधु (किसानों के लिए) जैसी कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित है। दूसरी ओर अनेक राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ एनडीए सरकारें इस तरह की अनेक योजनाएं चला रही हैं, ऐसे में यह केसीआर ही बता सकते हैं कि उनका मॉडल अलग कैसे है।

टीआरएस नाम तेलंगाना की भावना से सीधे जुड़ा हुआ था और जिसने पृथक तेलंगाना राज्य के गठन के बाद हुए दो विधानसभा चुनावों में केसीआर को सत्ता दिलाने में अहम भूमिका निभाई। अब पार्टी का नाम बदलकर बीआरएस कर दिया गया है, जिससे तेलंगाना भावना को प्रज्वलित करने का भार अब विशेष रूप से केसीआर के व्यक्तिगत करिश्मे पर निर्भर होगा, जो कि पार्टी के लिए एक बड़ा जोखिम है। दूसरा, पुष्पा अकेला था, जो अपने प्रतिद्वंद्वी के साथ लड़ रहा था, जबकि केसीआर के मामले में अनेक मजबूत क्षेत्रीय दल हैं, जो राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव में अपना हिस्सा हासिल करने के लिए लड़ रहे हैं।

कोई भी पार्टी अपने लाभ को किसी अन्य पार्टी के साथ तब तक साझा नहीं करती, जब तक कि उसे अपने लिए कोई चुनावी लाभ नहीं दिखाई देता। केसीआर दूसरे क्षेत्रीय दलों के साथ कैसा तालमेल बिठाते हैं और बदले में वे बीआरएस को कितनी जगह देते हैं, यह लाख टके का सवाल है। उदाहरण के लिए, महाराष्ट्र में एनसीपी या शिवसेना या कर्नाटक में जेडीएस जैसी पार्टी, आखिर क्यों किसी ऐसी पार्टी के लिए राजनीतिक त्याग करेंगी, जो कि उनके राज्यों में अभी है ही नहीं? यदि उनमें सीटों का तालमेल नहीं हो सका, तब तो इससे भाजपा विरोधी मतों के विभाजन से भाजपा को लाभ ही मिलेगा।

दिलचस्प यह है कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, दोनों ही जगह नई राष्ट्रीय पार्टी बीआरएस को लेकर बहसें हो रही हैं। कई बार ऐसी बहसें आम लोगों में राष्ट्रीय पार्टी को लेकर भ्रम पैदा कर रही हैं, जिन्हें शायद पता नहीं है कि कोई क्षेत्रीय पार्टी सिर्फ नाम बदलने से राष्ट्रीय नहीं हो जाती। किसी भी दल को राष्ट्रीय दल की मान्यता मिलने के लिए कुछ जरूरी शर्तें हैं, जिनमें एक शर्त यह है कि उसने लोकसभा की दो फीसदी सीटें कम से कम तीन राज्यों से जीती हों।

गुजरात से पता चलेगी विपक्ष की दिशा,

एक बार फिर से भारत के राज्यों में राजनीतिक माहौल गर्म है। जहां भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, वहीं प्रतिपक्ष की राजनीति अब भी लड़खड़ाई हुई सी है। जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गृह राज्य गुजरात और हिमाचल प्रदेश में चुनाव होने हैं। दोनों राज्यों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के अपने–अपने कोण हैं, लेकिन हाल ही में छह राज्यों में हुए उपचुनाव के जो नतीजे सामने आए हैं, उससे राजनीतिक हवा का पता चलता है। इसलिए सबसे पहले इन उपचुनावों का ही जिक्र करते हैं।

बिहार, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, तेलंगाना और उत्तर प्रदेश–इन छह राज्यों की सात सीटों पर हुए उपचुनाव में भाजपा ने चार सीटों पर अपनी जीत दर्ज कराके यह प्रदर्शित कर दिया है कि जिन राज्यों में वह सत्ता में नहीं है, वहां भी उसने उपचुनाव में अपना दमखम बनाए रखा है। बिहार, हरियाणा, ओडिशा तथा उत्तर प्रदेश–इन सभी राज्यों में उपचुनाव में भाजपा ने एक–एक सीट जीती है। बिहार में एक सीट राजद को, तो एक सीट भाजपा को मिली है। वहीं हरियाणा में कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री भजनलाल के पोते भव्य विश्नोई आदमपुर में भाजपा के प्रत्याशी के रूप में निर्वाचित घोषित किए गए। यानी कांग्रेस को एक और झटका लगा है। महाराष्ट्र में अंधेरी ईस्ट सीट पर उद्धव ठाकरे से जुड़ी शिवसेना प्रत्याशी ऋतुजा लटके चुनाव जीत गई हैं। ओडिशा के धामनगर में भाजपा की जीत अप्रत्याशित मानी जाती है, क्योंकि वहां क्षेत्रीय पार्टी बीजद अब भी प्रभावशाली है। उत्तर प्रदेश के गोला गोकर्णनाथ में भाजपा चौंतीस हजार से ज्यादा मतों के अंतर से चुनाव जीत गई। ऐसे में कहा जा सकता है कि भाजपा का प्रदर्शन बेहतर रहा है, लेकिन उसे अब भी सबसे कड़ी चुनौती क्षेत्रीय दलों से मिल रही है, न कि कांग्रेस से।

अब जो महत्वपूर्ण चुनाव है, वह है गुजरात का विधानसभा चुनाव, जो भाजपा एवं विपक्ष, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। एक तरफ नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनाव की कमान है और भाजपा का दूसरे दशक में शासन का फिर से दावा है, तो दूसरी ओर विपक्ष में कमजोर कांग्रेस पार्टी है। यह स्पष्ट नहीं दिखता कि राज्य के चुनावी समर का नेतृत्व शक्तिसिंह गोहिल के हाथ में है या परेश धनानी के।

राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा पर तो हैं, पर गुजरात में श्भाजपा तोड़ो श की मुहिम किसके हाथ में है, यह स्पष्ट नहीं है। पिछली बार तो विरोध के बहुत से मुद्दे थे। सूरत में जीएसटी पर रोष था। जिग्नेश, हार्दिक पटेल और अल्पेश ठाकोर की तिकड़ी थी और यह माना जाता था कि ग्रामीण इलाकों एवं पाटीदारों में भाजपा के खिलाफ खासा रोष था। इस बार ग्रामीण इलाकों में भाजपा के खिलाफ कोई बड़ी नाराजगी की सूचना नहीं है और हार्दिक पटेल एवं अल्पेश ठाकोर, दोनों ही भाजपा का हिस्सा बन चुके हैं।

लेकिन वहां आम आदमी पार्टी के रूप में प्रतिरोध की एक नई आवाज उभरी है। आम आदमी पार्टी एक नए राज्य में अपनी शक्ति की आजमाइश कर रही है। अरविंद केजरीवाल ने कई सभाएं की हैं और मोदी एवं भाजपा को सीधे तौर पर ललकारा है। दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर उन्होंने मुफ्त बिजली, पानी देने का वादा किया है, युवाओं को रोजगार देने की बात कही है और गुजरात को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने की बात भी वह कर रहे हैं। साथ ही श्आपश् ने नोटों पर महात्मा गांधी के बदले लक्ष्मी–गणेश के चित्रों को छापने की बातें कर डाली हैं।

यानी भाजपा के पारंपरिक वोटर के बीच भी आम आदमी पार्टी हिंदुत्व का अपना सिक्का जमाने में लगी है और उसी की भाषा में चुनौती पेश कर रही है। कहा जाता है कि गुजरात में ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में मतों का रुझान अलग प्रतीत होता है। कांग्रेस ग्रामीण क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करती है, लेकिन भाजपा को हरा नहीं पाती। वहीं शहरी क्षेत्रों में भाजपा बहुत अच्छा प्रदर्शन करती है। आप ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस के वोट में सेंध लगा सकती है, लेकिन क्या वह भाजपा के शहरी मतों में से छोटा–सा हिस्सा भी ले पाएगी?

हाल ही में मोरबी में पुल गिरने से बहुत लोगों की मौतें हुईं, फिर भी भाजपा की स्थिति मजबूत है। प्रश्न सिर्फ इतना है कि आप का प्रदर्शन कैसे रहेगा और क्या वह राज्य स्तर की पार्टी से राष्ट्रीय स्तर की पार्टी बन पाएगी। अगर गुजरात में कांग्रेस आम आदमी पार्टी की मौजूदगी के बावजूद अपना प्रदर्शन बेहतर कर पाती है और भाजपा के लिए चुनौती बन पाती है, तो इससे विपक्ष की भावी दिशा का पता चलेगा। प्रधानमंत्री के गृह राज्य में अगर भाजपा को नुकसान होता है, तो यह विपक्ष के लिए मनोबल बढ़ाने वाला होगा।

अब बात हिमाचल प्रदेश की। यहां भी भाजपा की सरकार है। जमीन पर सत्ता के खिलाफ कुछ रोष भी देखने को मिल रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों, विशेष रूप से सेब उत्पादकों के बीच कम दाम मिलने से नाराजगी है, तो शहरी क्षेत्रों में नई पेंशन स्कीम के तहत कम पैसे मिलने का मुद्दा प्रबल है। लोग पुरानी पेंशन फिर से बहाल करना चाहते हैं। इसके अलावा भाजपा ने लगभग 11 विधायकों की टिकटें काट दी हैं, जिनमें से कुछ बागी उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे हैं।

कुल मिलाकर माना जाता है कि भाजपा के समक्ष चुनावी चुनौती कड़ी है, लेकिन प्रतिपक्ष में कांग्रेस पार्टी है। हिमाचल के बड़े नेता आनंद शर्मा कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के आलोचक हैं। प्रियंका गांधी राजीव शुक्ला के साथ कांग्रेस की चुनावी मुहिम संभाले हुई हैं। पर सवाल यह है कि क्या कांग्रेस की चुनौती में दम है। क्या लोग वाकई सत्ता परिवर्तन के प्रति इच्छुक हैं या केवल भाजपा पर दबाव बनाना चाहते हैं? हिमाचल एक छोटा राज्य है, जहां जीत–हार के छोटे अंतर पर भी राजनीतिक संभावनाएं टिकी रहती हैं। नतीजे से यह स्पष्ट हो जाएगा कि कांग्रेस की पदयात्रा से किसी राजनीतिक विकल्प का सृजन हो पा रहा है या नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राज्य चुनाव की रैलियों में पूरी मेहनत कर रहे हैं। गुजरात का चुनाव उनके लिए निजी सम्मान का मामला है, तो भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और मोदी के भरोसेमंद मंत्री अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश से ताल्लुक रखते हैं। इसलिए यह देखना भी दिलचस्प होगा कि हिमाचल में भाजपा का प्रदर्शन कैसा रहता है?

ट्रंप लड़ेंगे अगला चुनाव!

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अगले मंगलवार को एक बड़ी घोषणा करने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि वह 2024 के राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपनी उम्मीदवारी का एलान करने वाले हैं। ट्रंप की ताजा घोषणा अमेरिका में प्रतिनिधि सभा के लिए होने जा रही वोटिंग के ठीक एक दिन पहले आई। खास बात यह है कि इन चुनावों में ट्रंप की रिपब्लिकन पार्टी को बहुमत हासिल होने की संभावना जताई जा रही है। अगर ऐसा हुआ तो जो बाइडन के करीब दो साल के बचे हुए कार्यकाल में विधायिका की ताकत उनके साथ नहीं होगी। डेमोक्रेटिक पार्टी के लिए बुरी खबर यह भी है कि बाइडन की लोकप्रियता कम हुई है। अमेरिका मंदी की ओर बढ़ रहा है और महंगाई दर के अभी तक काबू में आने के संकेत नहीं दिख रहे हैं। इससे वहां लोगों की जिंदगी मुश्किल हुई है। इन हालात में ट्रंप के नेतृत्व में रिपब्लिकन पार्टी की लोकप्रियता और बढ़ सकती है। इसके अलावा ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के संकेत को कई और वजहों से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका ही नहीं, दुनिया के प्रमुख लोकतांत्रिक देशों का हालिया इतिहास देखा जाए तो ट्रंप संभवतरू इकलौते राष्ट्रपति रहे हैं, जिन्होंने चुनाव में पराजित होने और पद छोड़ने के दो साल बाद तक हार नहीं मानी है। आज भी जब वह अगला चुनाव लड़ने का संकेत दे रहे हैं, उन्होंने पिछले राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को औपचारिक तौर पर स्वीकार करने की घोषणा नहीं की है।

दूसरी बात यह कि उन पर राष्ट्रपति भवन खाली करते समय कई सीक्रेट फाइल्स साथ ले जाने समेत कई गंभीर आरोप हैं, जिनकी फेडरल एजेंसियां जांच कर रही हैं। 6 जनवरी 2020 को कैपिटल हिल (संसद भवन) पर हुए हमले की जांच कर रही हाउस कमिटी ने भी उन्हें समन भेजा है। उनसे 14 नवंबर को अपना बयान दर्ज कराने के लिए कहा गया है। ध्यान रहे, ट्रंप ने अपने श्बड़े एलानश् की तारीख इसके अगले दिन यानी 15 नवंबर तय की है। साफ है कि ट्रंप की इस घोषणा को एक लोकतांत्रिक देश में सर्वोच्च पद के किसी भी सामान्य उम्मीदवार द्वारा किए जाने वाले एलान की तरह नहीं लिया जा सकता। मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन बार–बार इस बात को रेखांकित कर रहे हैं कि श्हमारा लोकतंत्र खतरे में है।श लेकिन अमेरिकी पब्लिक के लिए अभी बड़ा मुद्दा आर्थिक मुश्किलें और बढ़ती महंगाई है, जिनसे जल्द राहत मिलने के संकेत भी नहीं दिख रहे। इसका मतलब यह है कि हाल–फिलहाल बाइडन सरकार की दिक्कतें और बढ़ेंगी। दूसरी ओर, पिछले राष्ट्रपति चुनावों के बाद रिपब्लिकन पार्टी ने ट्रंपवाद को जोरशोर से अपनाया है, जिसकी अपील उसके समर्थकों के बीच बनी हुई है। यह ट्रंप के लिए अगले राष्ट्रपति चुनावों के लिहाज से भले ही अच्छी खबर हो, लेकिन अमेरिकी लोकतंत्र के लिए नहीं।

भांजे को आमने सामने बिठाकर पूछताछ

माफिया मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी और उसके साले शरजील रजा उर्फ आतिफ का मंगलवार शाम एक बार फिर आमना–सामना कराया गया। दोनों को साथ बिठाकर देर रात तक पूछताछ की गई। इस दौरान दोनों के खातों में हुए लेनदेन के बाबत जानकारी ली गई।

शरजील को लेकर ईडी की टीम सोमवार रात 10 बजे के बाद सिविल लाइंस स्थित दफ्तर में पहुंची। यहां करीब एक घंटे बाद उससे कुछ देर के लिए पूछताछ की गई। भांजे अब्बास से सामना भी कराया गया। इसके बाद ईडी की टीम लिखापढ़ी में जुट गई।

मंगलवार सुबह 10 बजे के करीब ईडी की एक अन्य टीम कार्यालय पहुंची और शरजील को अलग चौंबर में बैठाकर पूछताछ की। करीब एक बजे उसे मेडिकल के लिए कॉल्विन हॉस्पिटल ले जाया गया। यहां मेडिकल कराने के बाद उसे उसे कड़ी सुरक्षा में कोर्ट में पेश किया गया।

कस्टडी रिमांड की अर्जी मंजूर होने के बाद ईडी ने उसे हिरासत में ले लिया और उसे लेकर शाम को एक बार फिर दफ्तर पहुंची। रात आठ बजे के करीब ईडी की एक अन्य टीम ने उससे पूछताछ शुरू की। इसके बाद उसका अब्बास से एक बार फिर आमना–सामना कराया गया।

इसके बाद दोनों से एक साथ सवाल पूछे गए। खातों में हुए लेनदेन के बाबत जानकारी ली गई। ईडी ने पूछा कि विकास कंसट्रक्शन, जिस फर्म में एक पार्टनर खुद शरजील है, के खाते से अब्बास के खाते में लेनदेन क्यों हुआ। यह भी सवाल दागा कि विकास कंसट्रक्शन से अब्बास का क्या संबंध है।

सीएम केजरीवाल के घर पार्टी नेताओं की बैठक

आप के कई पार्षदों का टिकट कटना तय हो गया है। आप के पूर्व पार्षद प्रेम चौहान को लेकर किए गए सवाल पर दुर्गेश पाठक ने कहा कि पार्टी ने कार्रवाई करते हुए अपने मंत्री तक को पद से हटाया है। उक्त पार्षद को लेकर जांच की जाएगी। जांच में दोषी पाए जाने पर टिकट काटा जाएगा। वहीं सूत्रों की माने तो बड़े स्तर पर पूर्व पार्षदों को टिकट नहीं मिल रहा है। इसमें टिकट कटने के

अलावा सीट बदलने व क्षेत्र का विस्तार आदि कारण है।

वहीं पार्टी सूत्रों का कहना है कि पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल बुधवार शाम तक गुजरात दौरे से वापस लौट सकते हैं। उनके लौटने के साथ ही उम्मीदवारों के नाम को लेकर उच्च स्तरीय बैठक शुरू हो जाएगी।

इस संबंध में आप के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक का कहना है कि पार्टी को करीब 6 हजार आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन सभी आवेदनों पर विचार किया जा रहा है। पार्टी जल्द ही उम्मीदवारों की सूची जारी करेंगी। उन्होंने कहा कि उम्मीदवार के चयन के लिए तीन तरह से काम किया जा रहा है। इसमें उम्मीदवार को लेकर क्षेत्र में सर्वे, संगठन के माध्यम से जानकारी जुटाना और लोगों से बात कर क्षेत्र में उक्त उम्मीदवार की छवि की जानकारी जुटाई जा रही है।

नगर निगम चुनाव के लिए आप को अब 6 हजार आवेदन मिल चुके हैं। आवेदन आने की प्रक्रिया अभी जारी है। अगले एक–दो दिन में छंटनी कर उम्मीदवारों की सूची तैयार की जाएगी। संभावना है कि आम आदमी पार्टी की 10 नवंबर को केंद्रीय कार्यकारिणी की बैठक हो सकती है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में संभावित उम्मीदवारों के नामों पर मुहर लग सकती है।

प्रदेश अध्यक्ष और संगठन महामंत्री कार्यालय के बाहर तो एक बाक्स लगा दिया गया है। जिसमें कार्यकर्ता अपना बॉयोडाटा डाल सकते है। कार्यालय मंत्री की तरफ से निर्देश दिया गया है कि निगम चुनाव लड़ने के इच्छुक सभी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वह अपना बायोडाटा बाक्स में डालकर अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर जनसंपर्क अभियान चलाएं।

चुनाव की घोषणा के साथ ही पार्टी कार्यालय में टिकट मांगने वालों की भीड़ है। कार्यकर्ता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष, महामंत्री संगठन, उपाध्यक्ष व महामंत्री सहित अन्य पदाधिकारियों से मिलने के लिए कतार लगा रहे हैं। इसी भीड़ से बचने के लिए पदाधिकारियों ने भी तरीका अपना लिया है। भाजपा की रायशुमारी में डेढ़ दर्जन राष्ट्रीय पदाधिकारी शामिल हुए थे। इससे साफ है कि प्रदेश पदाधिकारियों के हाथ में पूर्ण रूप से राष्ट्रीय नेतृत्व कमान नहीं देना चाह रही है। पार्षद का चुनाव लड़ने के लिए प्रदेश उपाध्यक्ष, मंत्री, प्रवक्ता व मोर्चा पदाधिकारियों ने भी इच्छा जाहिर की है।

पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने बैठक कर रायशुमारी में शामिल पदाधिकारियों से फीडबैक लिया। आवेदनों की छंटनी के बाद विशेष समिति के सामने आवेदकों की सूची रखेगी। प्रत्येक वार्ड से 7–10 नाम रखें जाएंगे। इसके बाद ही अंतिम प्रत्याशियों की सूची तैयार होगी।

निगम के सभी 250 वार्ड के लिए भाजपा से करीब 15 हजार लोगों ने टिकट के लिए आवेदन किए हैं। औसतन हर वार्ड से टिकट के करीब 60 से अधिक दावेदार हैं। दो दिनों की रायशुमारी में पंद्रह हजार से अधिक लोगों ने आवेदन किए हैं। मंगलवार देर शाम तक प्राप्त आवेदन की स्क्रूटनी शुरू कर दी गई है।

सूत्रों के मुताबिक भाजपा 11 नवंबर तक पहली सूची जारी कर सकती है। हालांकि, केंद्रीय नेतृत्व जबतक हरी झंडी नहीं देता तब तक फाइनल सूची नहीं जारी की जाएगी। साथ ही दूसरी सूची जारी करने के पहले भाजपा दूसरे दलों के उम्मीदवारों पर भी नजर रखेगी।

एमसीडी चुनाव में प्रत्याशियों की सूची जारी करने के लिए प्रदेश भाजपा ने माथापच्ची करनी तेज कर दी है। प्रदेश भाजपा नेतृत्व दो चरणों में टिकट की घोषणा करने पर मंथन कर रहे है। ढाई सौ वार्ड की सूची एक साथ जारी करने के मूड में नहीं है। दो चरण में टिकट की घोषणा हो सकती है।

आम आदमी पार्टी की ओर से भाजपा शासित एमसीडी द्वारा दिल्ली को कूड़ा–कूड़ा करने के मुद्दे पर चुनाव लड़ा जाएगा। 20 नवंबर तक दिल्ली के सभी 13682 बूथों पर जनसंवाद किए जाएंगे। 'आप' विधायकों के नेतृत्व में हर दिन लगभग 500 जनसभा करने का निर्णय लिया गया है।

जनसंवाद के माध्यम से आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी लोगों से कूड़े से जुड़ी समस्याओं को सुनेंगे और उनके समाधान पर चर्चा करेंगे। साथ ही लोगों को भाजपा शासित एमसीडी की दिल्ली को कूड़ा–कूड़ा करने की मंशा से अवगत कराएंगे।

कूड़े के पहाड़ खत्म करना नए नेतृत्व की होगी चुनौती

लैंडफिल साइटों पर जमा कचरा खत्म करना एमसीडी के नए नेतृत्व के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। एमसीडी में पिछले 15 साल भाजपा सत्ता में रही। एक बार फिर निगम का चुनाव आ गया है। ऐसे में विपक्ष कूड़े के पहाड़ को मुद्दा बना रही है। ऐसे में सभी पार्टियां अपने–अपने दावे कर रही है।

आप ने कूड़े पर 20 नवंबर तक संवाद कार्यक्रम शुरू

किया है। पार्टी नेता कचरे के समाधान के विभिन्न मुद्दों पर अपना पक्ष रख रहे हैं। वहीं, भाजपा ने एमसीडी में किए अपने कार्यों को जनता तक पहुंचाने के लिए 30 प्रचार रथ तैयार किए हैं। भाजपा का दावा है कि कूड़े के पहाड़ों को हटाने की सामर्थ्य केवल उन्हीं में है। वहीं, कांग्रेस नेतृत्व के केंद्र में भी तीनों लैंडफिल साइटों की सफाई ही है।

लैंडफिल साइट पर जा रहा 27 फीसदी कचरा

दिल्ली में हर दिन करीब 11,000 टन से अधिक कचरा पैदा होता है। एमसीडी का दावा है कि इसमें से रोज 8,000 टन से अधिक कचरे का निपटान किया जा रहा है। मौजूदा समय कूड़े का सबसे बड़ा हिस्सा ओखला, तेहखंड, गाजीपुर और बवाना में वेस्ट टु एनर्जी प्लांट में जा रहा है। दूसरा बड़ा हिस्सा टैगोर गार्डेन द्वारका समेत दूसरे कंपोस्ट प्लांट में इस्तेमाल हो रहा है। वहीं प्लास्टिक कचरा एमआरएफ प्लांट में जा रहा है। इसके बावजूद करीब 27 फीसदी कचरा अब भी रोज तीनों साइट पर जमा हो रहा है। घोघा, नांगली और ओखला में तीन बायो सीएनजी प्लांट बनाए जा रहे हैं। अगले साल मार्च तक ये तैयार हो जाएंगे। इसके बाद यहां रोज करीब 700 टन गीला कचरा गलाया जाएगा।

अप्रैल 2024 लैंडफिल खत्म करने की आखिरी तिथि

एमसीडी के मुताबिक गाजीपुर, ओखला और भलस्वा लैंडफिल साइट पर कुल मिलाकर मौजूदा समय करीब 203 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा है। एमसीडी ने पिछले चार माह में 26.1 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया है। मई 2019 में तीनों लैंडफिल साइट पर करीब 280 लाख मीट्रिक टन कचरा जमा था। तीन साल के भीतर करीब 77 लाख मीट्रिक टन कचरे का निस्तारण किया गया है। मौजूदा समय में साइट पर बॉयो माइनिंग के लिए करीब 44 ट्रॉमल मशीनें लगाई गई हैं। यहां से निकलने वाली इनर्ट (मिट्टी) को निर्माणाधीन साइटों, एनएचएआई के प्रोजेक्ट में इस्तेमाल हो रहा है। इसके अलावा सीमेंट फैक्ट्रियों को आरडीएफ भी देने के लिए समझौता किया गया है। इस प्रकार से निगम ने अप्रैल 2024 तक तीनों लैंडफिल साइटों को समाप्त करने के लिए लक्ष्य तय किया है।

आए दिन दरकते रहते हैं कूड़े के पहाड़

गाजीपुर और भलस्वा लैंडफिल साइट पर आए दिन कूड़े के पहाड़ दरकते रहते हैं। कुछ साल पहले गाजीपुर में कूड़े के दरकने से बड़ा हादसा हुआ था। इसमें कई लोगों ने जान गंवाई थी। कुछ महीने पहले भलस्वा साइट का कूड़ा दरक कर पास की कॉलोनी की छतों पर जा पहुंचा था। आम आदमी पार्टी के एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने मंगलवार को दावा किया कि गाजीपुर लैंडफिल साइट पर सोमवार को फिर से कचरा दरक कर नीचे आ गया। इस घटना में लोग बाल बाल बचे।

सियासी दलों की प्रतिक्रिया

अब तीनों लैंडफिल साइट की ऊंचाई कम नहीं की जा सकती। इसलिए दिल्ली में कूड़े के 16 नए पहाड़ बना रहे हैं, जिसके लिए हर विधानसभा में जगह ढूंढ रहे हैं। दिल्ली की जनता ऐसा करने वालों की आगामी चुनाव में जमानत जब्त कर देगी। –दुर्गेश पाठक, आम आदमी पार्टी, एमसीडी प्रभारी

दिल्ली में कूड़े की समस्या को दूर करने के लिए वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाए गए हैं। कूड़े के पहाड़ों को हम अगले दो साल में पूरी तरह से खत्म करने जा रहे हैं। कूड़े की राजनीति करने वाले पंजाब में खड़े कूड़े के पहाड़ नहीं खत्म कर पा रहे। –आदेश गुप्ता, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष

भाजपा शासित एमसीडी ने काम किया होता तो दिल्ली में कूड़े के पहाड़ नहीं होते। केजरीवाल सरकार ने भी पिछले आठ साल में दिल्ली को बदहाल करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है, कांग्रेस शीला दीक्षित के कार्यकाल की तरह चमकती दिल्ली बनाएगी। –अनिल कुमार, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष

दसवीं पास नीतू ने बनाया था पति की हत्या का खौफनाक प्लान

गुरुग्राम के सेक्टर–22 पालम विहार इलाके में निर्माणाधीन इमारत में सो रहे प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की मास्टरमाइंड उसकी ही पत्नी निकली। पत्नी ने प्रेमी को 65 तोला सोना पति की हत्या के लिए दिया था। इसकी कीमत करीब 32 लाख रुपये बताई जाती है। सीआईए पालम विहार थाना पुलिस ने पत्नी व शूटर को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि महिला का प्रेमी अभी फरार है। दस दिन पहले निर्माणाधीन भवन में सो रहे प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हुई हत्या के मामले में गिरफ्तार पत्नी ने अपना जुर्म कबूल लिया है। सीआईए पुलिस की टीम ने घटना स्थल की निशानदेही कराने के साथ उसका मोबाइल भी अपने कब्जे में ले लिया है। सीआईए पालम विहार प्रभारी इंस्पेक्टर जोगिन्दर ने बताया कि प्रॉपर्टी डीलर धर्मेश की हत्या कराने वाली उसकी पत्नी ने जुर्म कबूल लिया है।

नीतू दसवीं तक पढ़ी है। स्मार्ट फोन का इस्तेमाल करती थी। पुलिस को उसके मोबाइल में कुछ चौट व तस्वीर डिलीट मिली हैं। जिसे रिकवर करने के लिए उसके मोबाइल को जांच के लिए भेज दिया है।

सीआईए की एक टीम प्रेमी बबलू खान के दोस्त मोम्मद्दीन को लेकर यूपी के संभल, देहरादून व दिल्ली में छापामारी कर रही है। बबलू की आखिरी लोकेशन मुरादाबाद में मिली थी। इसके साथ ही पुलिस ने देहरादून के एक होटल का भी सीडीआर अपने कब्जे में लिया है।

अपने किए पर अब हो रहा है अफसोस, परिवार वालों ने भी बनाई दूरी

प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या करने के बाद नीतू को अफसोस हो रहा है। परिवार व रिश्तेदार ने भी उससे दूरी बना ली है। उसने कभी सोचा नहीं था कि उसे यह दिन भी देखने पड़ेगे। प्रॉपर्टी का लालच बबलू खान को हो गया था। जिसे रास्ते से हटाने के लिए उसने वारदात को अंजाम देने में पूरी मदद की है।

सीआईए पालम विहार प्रभारी इंस्पेक्टर जोगिन्दर ने बताया कि हत्या कराने वाली मास्टरमाइंड नीतू यादव है। नीतू और धर्मेश का विवाह 20 साल पहले हुआ था। उनके दो बच्चे हैं जोकि देहरादून के दून स्कूल में पढ़ते हैं।

करीब आठ माह पहले यूपी के संभल में गांव बहजोई निवासी बबलू नामक युवक नीतू के संपर्क में आया। प्रॉपर्टी डीलर के घर में काम करने वाली मेड से बबलू की दोस्ती थी। उसी से मिलने के दौरान नीतू से उसकी दोस्ती हो गई। पुलिस पूछताछ में पता चला है कि दोनों के बीच अवैध संबंध भी बन गए थे। दून में पढ़ रहे बच्चों से मिलने के लिए नीतू जब जाती थी तो बबलू भी देहरादून पहुंच जाता था। इसी बीच नीतू ने बबलू से अपने पति को ठिकाने लगाने की बात कही। इस पर बबलू ने नीतू से मोहम्मद्दीन से मिलाया था। शॉर्प शूटर मोहम्मद्दीन भी बबलू के ही गांव का रहने वाला है। पति की हत्या के लिए नीतू ने प्रेमी को 32 लाख रुपये का सोना दिया था।

बबलू ने मोहम्मदीन के साथ मिल कर वारदात को अंजाम दिया था। बता दें कि प्रॉपर्टी डीलर धर्मेश तीन दिन से निर्माणाधीन भवन पर ही सोता था। इसकी जानकारी केवल परिवार में उसकी पत्नी को थी।

दिल्ली–एनसीआर की हवा में सुधार नहीं

दिल्ली–एनसीआर में हवा की गुणवत्ता लगातार गिर रही है। हवा की गुणवत्ता अभी भी बहुत खराब क्षेणी में बनी हुई है। बुधवार को भी दिल्ली के आसमान में धुंध की छाई हुई है। दिल्ली में समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शबहुत खराबश श्रेणी 339 पर दर्ज की गई है। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा की बात करें तो यहां की भी हवा जहरीली बनी हुई है। नोएडा में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शबहुत खराबश श्रेणी 371 में दर्ज की गई है। वहीं हरियाणा के गुरुग्राम में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शबहुत खराबश श्रेणी 338 में दर्ज की गई है।

दिल्ली– एनसीआर में बुधवार यानी आज से मौसम में बड़ा बदलाव हो सकता है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली में बुधवार को बादल छाए रहने और बूंदा–बांदी या हल्की बारिश की संभावना जताई है। वहीं अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। बारिश होने पर दिल्ली में वायु प्रदूषण से राहत मिल सकती है। जो वायु गुणवत्ता सूचकांक (।फ५) शबहुत खराबश श्रेणी में दर्ज है।

मौसम विभाग के अनुसार गुरुवार को भी दिल्ली में आसमान में बादल छाए रहने के साथ बूंदा–बांदी या फिर हल्की बारिश की संभावना है। दिल्ली से सटे यूपी के नोएडा और हरियाणा के गुरुग्राम में भी मौसम कमोबेश दिल्ली की तरह ही रहेगा। मंगलवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 ज्यादा 17.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं अधिकतम तापमान 30 डिग्री से नीचे पहुंच गया और 29.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दिल्ली सरकार ने स्कूल खोलने और सरकारी कार्यालय के लिए वर्क फ्रॉम होम के फैसले को वापस ले लिया है। दरअसल 3 नवंबर को प्रदूषण की हेल्थ इमरजेंसी को देखते हुए कमिशन फॉर एयर क्वॉलिटी मैनेजमेंट (ब।फड) ने ग्रैप–4 की सख्त पाबंदियों को लागू किया था जो अब हवा में सुधार के साथ हटा दिया गया है। ळत।च–4 को भले हटा लिया गया है। लेकिन ग्रैप–1 से ग्रैप–3 तक जारी पाबंदियां अभी जारी हैं।

काली धुंध की चादर में लिपटी दिल्ली–एनसीआर की यह हालत बीते एक या दो सप्ताह से नहीं, बल्कि पूरे साल प्रदूषण की गिरफ्त में रहने से है। इस पूरे साल 312 में से केवल नौ दिन उत्तर भारतीयों ने साफ हवा में सांस ली है जिसमें दिल्ली,

एनसीआर के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और हिमाचल व उत्तराखंड के शहरी क्षेत्र शामिल हैं।

सालाना एक्यूआई रिपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार, इस साल जनवरी से लेकर जून माह तक एक भी दिन प्रदूषण कम नहीं हुआ। जुलाई में महज एक दिन ही हवा की गुणवत्ता को बेहतर माना गया था। इस रिपोर्ट को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा है कि सिर्फ पराली या शुष्क मौसम ही प्रदूषण का कारण नहीं है। पूरे उत्तर भारत में लंबे समय से हवा जहरीली है लेकिन सरकारों के प्रयास नाकाफी हैं।

दैनिक राशिफल
10 नवम्बर 2022 बृहस्पतिवार

मेष– करियर कारोबार में शुभता बढ़ेगी. लाभ बेहतर बना रहेगा. अवसरों को भुनाएंगे. मूल्यवान भेंट मिल सकती है. परिजनों की सुनेंगे. सभी सहायक होंगे. प्रेम संबंध प्रगाढ़ होंगे. साख प्रभाव में वृद्धि होगी. व्यक्तिगत सफलताएं बढ़ेंगी. पेशेवरों का प्रदश्रन प्रभावपूर्ण रहेगा. वाणी व्यवहार से सभी प्रभावित रहेंगे. शुभ प्रस्ताव प्राप्त होंगे. धनधान्य में वृद्धि रहेगी. विविध कार्य पक्ष में बने रहेंगे.

वृष– लंबित विषयों में गति लाएंगे. लाभ संवार पर ध्यान देंगे. कामकाज को बल मिलेगा. नए तरीके अपनाएंगे. नवाचार में सफल होंगे. पराक्रम बढ़ेगा. लक्ष्य साध ेंगे. पेशेवर कार्यों में गति आएगी. नियम पालन बनाए रखेंगे. साहस संपर्क से काम लेंगे. कार्य व्यापार में सबको जोड़कर चलेंगे. साझीदार सहयोगी होंगे. साख सम्मान में वृद्धि होगी. वाणिज्यिक स्थितियां प्रभावशाली होंगी.

मिथुन– विस्तार योजनाएं गति लेंगी. कानूनी मामलों में धैर्य दिखाएंगे. रुटीन संवारेंगे. जोखिम न उठाएं. विवाद से दूर रहें. कार्य लंबित रह सकते हैं. जिद जल्दबाजी में न आएं. समय प्रबंधन पर जोर रखें. सूझबूझ से आगे बढ़ें. लेनदेन में ढिलाई न दिखाएंगे. आवश्यक जानकारी जुटाने पर जोर रखें. सजगता बढ़ाएंगे. पेशेवर प्राथमिकता तय करेंगे. स्मार्ट वर्किंग बनाए रखेंगे. फोकस बढ़ाएंगे.

कर्क– विभिन्न मामले गति लेंगे. सौदे समझौते बनेंगे. इच्छित सफलता संभव है. विभिन्न कार्यों में आगे रहेंगे. लाभ बढ़त पर रहेगा. लक्ष्य पूरे होंगे. चहुंओर सफलता के संकेत हैं. रुटीन बना रहेगा. प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन बनाए रहेंगे. जीतने का भाव बढ़ेगा. साथीगण सहयोगी होंगे. आर्थिक लाभ पर फोकस रहेगा. पेशेवर कार्यों को पूरा करेंगे. वैभव में वृद्धि होगी. सक्रियता बढ़ाएंगे.

सिंह– विभिन्न कार्यों को तेजी से पूरा करेंगे. परिजन समर्थन बनाए रखेंगे. रिश्तों में प्रभावी रहेंगे. सूझबूझ व संतुलन बढ़ेंगे. व्यवस्था मजबूत होगी. चहुंओर शुभता के संकेत बने हुए हैं. स्मार्ट वर्किंग रखेंगे. विश्वास से आगे बढ़ेंगे. पेशेवरों के लिए चहुंओर अनुकूलन बना रहेगा. सभी से सहयोग रखेंगे. करियर कारोबार में सक्रियता रखेंगे. मीटिंग्स में प्रभावी रहेंगे. मनोयोग से कार्य करेंगे.

कन्या– उच्च शिक्षा संवरेगी. तेजी दिखाएंगे. व्यापार बढ़त पर रहेगा. कार्यगति अच्छी रहेगी. आकर्षक अवसर प्राप्त होंगे. संपर्क संवाद का लाभ उठाएंगे. अनुशासन और प्रबंधन बढ़ाएंगे. शुभ सूचना मिलेगी. विभिन्न क्षेत्रों में सफलता की नई राहें बनेंगी. करीबियों का सहयोग रहेगा. साख बढ़त पर रहेगी. नवीन उपलब्धियां बनेंगी. अनुभवियों से सलाह समर्थन रखेंगे. कामकाजी अनुकूलन बढ़ेगा.

तुला– अपरिचितों पर जल्द भरोसा न करें. करीबियों की बात ध्यान दें. वाणिज्यिक जोखिम से बचें. रुटीन संवारें. भूमि भवन के मामलों में रुचि रहेगी. महत्वपूर्ण कार्य समय पर करें. व्यवस्थागत सफलता संभव है. कार्य व्यापार में सजगता से आगे बढ़ेंगे. करियर कारोबार में स्पष्टता लाएंगे. लाभ प्रतिशत सामान्य रहेगा. लेनदेन में सावधानी बरतेंगे. धैर्यपूर्वक आगे बढ़ें. भरोसा बनाए रहें.

वृश्चिक– उद्योग व्यापार को गति मिलेगी. सबको साथ लेकर चलेंगे. सौदे समझौते पक्ष में बनेंगे. चर्चा में प्रभावी रहेंगे. निर्माण कार्यो को बढ़ावा देंगे.निर्माण कार्य में प्रभावशाली रहेंगे. करियर संवार पर रहेगा. महत्वपूर्ण अनुबंध बनेंगे. बड़ा कर दिखाने का भाव रहेगा. पेशेवर सहयोगी रहेंगे. धैर्यपूर्वक आगे बढ़ते रहेंगे. साझा प्रयास से जुड़े जन अच्छा करेंगे. परस्पर विश्वास से लक्ष्य साधेंगे.

धनु– आर्थिक लेनदेन में स्पष्ट रहेंगे. व्यवसाय सामान्य रहेगा. सोच विचारकर निर्णय लेंगे. रुटीन पर फोकस रखेंगे. अवसरों को भुनाने की सोच रहेगी. तैयारी से आगे बढ़ें. लक्ष्य पर नजर बनाए रहें. श्रमशीलता बनाए रहेंगे. जरूरी कार्य समय से करेंगे. कारोबारी परिणाम संवरेंगे. अनुशासन पर रखेंगे. व्यवस्था से जुड़ें रहेंगे. विभिन्न मामलों में लापरवाही न दिखाएं. तर्क रखें.

मकर– कामकाज में उत्साह बनाए रखेंगे. अनुकूलता में तेजी आएगी. सुविधाओं पर जोर रहेगा. लक्ष्य पर फोकस रहेगा. प्राथमिकता की सूची बनाएंगे. समय प्रबंधन रखेंगे. जरूरी कार्यों में तेजी लाएंगे. बौद्धिकता पर जोर रहेगा. अवसर भुनाएंगे. कार्य व्यापार में लाभ के संकेत हैं. प्रतिस्पर्धा का भाव बढ़ेगा. वातावरण सुधार पर बना रहेगा. पेशेवर शिक्षा से जुड़ सकते हैं. तेजी रखेंगे.

कुंभ– वाणिज्यिक कार्यों में भावुकता से बचें. विभिन्न विषयों में सहजता रखेंगे. सुविधा संसाधनों पर जोर रखेंगे. वचनबद्धता बढ़ाएं. नीति नियम निरंतरता रखें. स्वार्थ अहंकार से बचें. शांत रहें. आवश्यक कार्यों में विनम्रता बनाए रखें. अध िकारीवर्ग सहयोगी होगा. तर्क और तथ्य की स्पष्टता बनाए रखें. करियर व्यापार में सक्रिय रहेंगे. लाभ औसत रहेगा. आत्म अनुशासन बढ़ाएंगे.

मीन– वाणिज्यिक गतिविधि बढ़ाने का प्रयास रहेगा. जोखिम उठाने से बचें. लाभ वृद्धि बढ़ेगी. बड़े लक्ष्यों को पूरा करेंगे. पेशेवर सक्रियता बनाए रखेंगे. साहसिक प्रयासों में गति आएगी. पराक्रम प्रदर्शन में आगे रहेंगे. अधिकारियों से मेलजोल रखेंगे. विभिन्न विषयों में सफलता मिलेगी. सबको साथ लेकर चलेंगे. संपर्क बढ़ाने प्रयास रहेगा. जनकार्यों से जुड़ेंगे. कार्य व्यापार बढ़त पर रहेगा.

पंडित सुधांशु तिवारी आधात्मिक धर्म गुरू

आवश्यकता है

झुग्गी झोपडी हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
एवम्
JJ News Portal
के लिये उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले
के लिए संवाददाता, पेजमेकर आपरेटर,
विज्ञापन प्रतिनिधि और एजेंसी / ब्यूरो
चीफ बनने हेतु सम्पर्क करे !

सम्पादक - संजय कुमार यादव
9918366626 9454084311
पता
277/129, चकिया, जगमल का हाता,
पीएनबी एटीएम के पास

यूपी सरकार के मंत्री ने देर रात टोल प्लाजा पर मारा छापा, गायब मिले कर्मचारी, सामने आईं खामियां

उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने जम्मू कश्मीर सरकार के उप राज्यपाल मनोज सिन्हा के पैतृक आवास मोहनपुरा जनपद गाजीपुर में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा समापन समारोह में सम्मिलित होकर लखनऊ लौटते समय देर रात करीब एक बजे पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर स्थित संसारा टोल प्लाजा (महुआ कला) लखनऊ पर अचानक छापा मारा। औचक निरीक्षण एवं छापा मार कार्रवाई में मंत्री नंदी ने कई खामियां पकड़ी, उपस्थित कर्मचारियों की संख्या मानक से कम होने एवं उपस्थिति रजिस्टर में लापरवाही मिलने पर मंत्री नंदी ने सम्बंधित एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने एवं सम्बंधित के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर टोल बूथों की संख्या 116 हैं। जहां वसूली के लिए कार्मिक उपलब्ध कराए जाने की जिम्मेदारी अनुबन्ध के अनुसार मेसर्स कोरल एसोसिएट्स को सौंपी गई है। जिसके द्वारा सभी टोल बूथों पर कुल 1211 अधिकारी एवं कर्मचारी तैनात हैं। प्रत्येक बूथ पर मानक के अनुसार एक शिफ्ट में 40 –50 कर्मचारी तैनात होने चाहिए लेकिन पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के टोल बूथों पर प्रत्येक शिफ्ट में कर्मचारियों की संख्या मानक से काफी कम होने की शिकायत पिछले कई दिनों से औद्योगिक विकास मंत्री नंदी को मिल रही थी जिसे मंत्री नंदी ने काफी गम्भीरता से लिया। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बैठक में भी औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की उपस्थिति संख्या कम मिलने पर सवाल उठाया था। इसके बाद भी सम्बंधित एजेंसी के कार्य प्रणाली में कोई सुधार नहीं आया।

मंगलवार को जनपद गाजीपुर से लखनऊ लौटते समय औद्योगिक विकास मंत्री ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सफर करते हुए एक्सप्रेसवे की व्यवस्था का निरीक्षण किया। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 9. 5 पर स्थित टोल प्लाजा–1 संसारा (महुआ कला) लखनऊ के पास पहुंचने पर मंत्री नन्दी ने अचानक अपने काफिले को रूकने का आदेश दिया। टोल प्लाजा पर अचानक औद्योगिक विकास मंत्री का काफिला रूकते ही टोल प्लाजा कर्मचारियों में हड़कम्प मच गया। काफिला रूकते ही गाड़ी से उतरते हुए औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने टोल प्लाजा पर छापा मार व औचक निरीक्षण की कार्रवाई की। जहां अप और डाउन दोनो लेन पर 16 की जगह कुल 8 काउंटर ही खुले हुए मिले। टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की संख्या पूछते हुए मंत्री नंदी टोल प्लाजा के मुख्य कार्यालय में पहुंचे, जहां उन्होंने कंट्रोल रूम को चेक किया। व्यवस्था को देखा। इसके बाद उन्होंने उपस्थिति रजिस्टर का निरीक्षण किया, जो पूरी तरह से मेंटेन नहीं था। प्रतिदिन बड़ी संख्या में कर्मचारियों की उपस्थिति नगण्य मिली। निर्धारित मानक के अनुसार एक शिफ्ट में 40–50 कर्मचारी तैनात होने चाहिए थे, जबकि टोल प्लाजा पर तैनात कर्मचारियों की कुल उपस्थिति केवल पंद्रह ही मिली। जिस पर औद्योगिक विकास मंत्री ने नाराजगी जताते हुए मैन पॉवर उपलब्ध कराने वाली एजेंसी का लाइसेंस निरस्त करने के साथ ही एजेंसी को ब्लैक लिस्ट करने की कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारियों को दिए। औद्योगिक विकास मंत्री नंदी ने कहा कि एक्सप्रेसवे की व्यवस्था में लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक्सप्रेसवे पर वाहनों की कतार न लगे, वाहन चालकों को असुविधा न हो और टोल वसूली भी निर्बाध गति से चलती रहे, इसके लिए निर्धारित मानक में कर्मचारियों की उपस्थिति एवं तैनाती आवश्यक है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। औद्योगिक विकास मंत्री ने कहा कि जल्द ही अन्य एक्सप्रेसवे की व्यवस्थाओं का भी औचक निरीक्षण कर जायजा लिया जाएगा।

श्रावस्ती में भूकंप के झटकों से दरकी घर की फर्श लोग घर छोड़कर बाहर भागे

नेपाल में आए भूकंप से तराई वाले श्रावस्ती में घर की फर्श दरक गई। यह झटका पहली बार मंगलवार रात 8.52 बजे व दूसरी बार रात 1.58 बजे महसूस किया गया। एक ही दिन में दो बार आए भूकंप के झटकों ने लोगों को दहशत में ला दिया। रात को झटका महसूस करते ही लोग घरों से बाहर निकल आए। नेपाल के कालूखेती में भूकंप का असर तराई वाले जिले श्रावस्ती में ज्यादा महसूस किया गया। पहला झटका करीब 8.52 बजे आया, लेकिन इसकी तीव्रता कम थी। कुछ देर के झटकों के साथ ही लोगों ने राहत महसूस की। वहीं दूसरा झटका रात करीब 1.58 बजे आया। उस समय लोग गहरी नींद में सो रहे थे।

अचानक घर की खिड़की, दरवाजे व गेट आवाज करने लगे। कुछ घरों में फर्श से अजीब तरह की आवाजें आने लगी। इस आवाज व कंपन के कारण लगभग सभी लोग अपने घरों को छोड़ कर बाहर निकल आए। सभी दहशत में थे। इसी कारण काफी देर तक घरों के बाहर ही लोग घूमते रहे।

घरों की दरक गई फर्श

रात को आए भूकंप का सर्वाधिक असर श्रावस्ती में देखने को मिला। यहां भिनगा के केशवनगर में जगजीवन प्रसाद के घर की फर्श दरक गई। इनका कहना है की पहली बार आए भूकंप से कुछ नही हुआ, केवल कंपन ही हुआ लेकिन रात के कंपन ने फर्श को दरका दिया। ऐसे ही इस मोहल्ले की रीता का कहना है कि रात में आए भूकंप के दौरान फर्श से चरचराने की आवाज आ रही थी। इसी के बाद मार्बल का जोड़ कई स्थानों पर खुल गया। यहां तक की कई स्थान पर मार्बल दरक गया है। भूकंप से भिनगा में कई पुराने घर की दीवारें भी दरकी देखी गई। नुकसान का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसका असर विद्युत आपूर्ति पर भी पड़ा। भूकंप के दौरान जिले में अचानक विद्युत बाधित हो गई।

हाई रिस्क जोन में श्रावस्ती

नेपाल में हिमालय की श्रृंखलाएं है। श्रावस्ती हिमालय की तलहटी में बसा हुआ है। भूकंप की दृष्टि से श्रावस्ती जोन चार में है। इसी कारण जब भी हिमालय के किसी भी क्षेत्र में भूकंप आता है। इसका सीधा असर श्रावस्ती खास तौर पर भिनगा, सिरसिया, जमुनहा व हरिहरपुररानी क्षेत्र में ज्यादा पड़ता है। इससे पूर्व 20 अगस्त की रात 1.12 बजे आया था। जिसकी तीव्रता 5.2 मापी गई थी। उस समय इसका केंद्र नेपाल का भेरी था। यह क्षेत्र श्रावस्ती से सटा हुआ है। उस समय क्षेत्र में ज्यादा नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन लोगों में दहशत जरूर फैल गई थी।

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम को मंजूरी जन्मजात बीमारियों की पहचान कर मुफ्त किया जाएगा इलाज

शहरी क्षेत्रों में जन्मे शिशुओं की जन्मजात बीमारियों की पहचान होगी। बीमार बच्चों को मुफ्त इलाज मुहैया कराया जाएगा। ग्रामीण के साथ शहरी क्षेत्र में भी बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम लागू किया जाएगा। नेशनल हेल्थ मिशन ने शहरी क्षेत्र में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के संचालन को मंजूरी प्रदान कर दी है। पहले चरण में 15 जिलों में योजना लागू की जाएगी। दूसरे चरण में 16 और जिलों को शामिल किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने संबंधित जिलों के सीएमओ को योजना पर जल्द से जल्द अमल करने के निर्देश दिए हैं।

आरबीएसके के तहत चाइल्ड हेल्थ स्क्रीनिंग और अर्ली इंटरवेंशन सर्विसेज में स्क्रीनिंग की जाती है। जिसमें कटे होंठ तालू, तंत्रिका ट्यूब दोष, डाउन सिंड्रोम, एनीमिया, विटामिन ए–डी की कमी, कुपोषण, जन्मजात मोतियाबिंद व दिल समेत दूसरी बीमारियों की पहचान की जाती है। कार्यक्रम के तहत 18 साल तक के बच्चों में तय बीमारियों की पहचान कर इलाज मुहैया कराया जाता है। योजना के तहत मोबाइल हेल्थ टीम चिन्हित स्थानों पर जाकर बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करेंगी। बीमारी की दशा में उच्च सरकारी संस्थानों में इलाज के लिए रेफर किया जायेगा ताकि समय पर इलाज मिल सके।

संविदा पर रखे जायेंगे डॉक्टर–कर्मचारी

पहले चरण के तहत वर्ष 2020–21 में आगरा, अलीगढ़, प्रयागराज, बरेली, अयोध्या, फिरोजाबाद, गाजियाबाद, गोरखपुर, झांसी, कानपुर नगर, लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद, सहारनपुर और वाराणसी में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम लागू किया जाएगा। 15 जिलों में कुल 40 मोबाइल हेल्थ टीम रखी जाएंगी। प्रत्येक टीम में चार सदस्य होंगे। जिसमें एक महिला व एक पुरुष आयुष चिकित्सक होंगे। एक एनएमएस व एलोपैथिक फार्मासिस्ट रखा जाएगा। फार्मासिस्ट को कम्प्यूटर का ज्ञान होना अनिवार्य होगा। संविदा पर करीब 60 डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ की भर्ती होगी।

अगले साल यहां लागू होगी योजना

दूसरे चरण में 2022–2023 में आजमगढ़, बांदा, बाराबंकी, बुलंदशहर, चंदौली, फर्रुखाबाद, फतेहपुर, गोंडा, हाथरस, जालौन, कुशीनगर, मथुरा, मिर्जापुर, रामपुर, शाहजहांपुर व सीतापुर में बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम शुरू किया जायेगा।

क्या कहते हैं मंत्री

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि बच्चों के बेहतर उपचार को लेकर सरकार पूरी तरह से सजग है। मोबाइल हेल्थ टीम तय स्थानों पर जाकर बच्चों में बीमारी की पहचान करेगी। इससे शुरुआत में रोगों की पहचान व उपचार आसान होगा। योजना पर तेजी से काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

पश्चिमी देशों की नाराजगी के बाद भी भारत और रूस के बीच क्यों बढ़ रहा व्यापार? जानें बड़े कारण

विदेश मंत्री एस जयशंकर सात और आठ नवंबर को दो दिन की रूस यात्रा पर थे। इस दौरान उन्होंने रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ द्विपक्षीय मुद्दों के साथ–साथ क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर बात की। व्यापारिक समझौतों को लेकर भी दोनों देशों के बीच मंथन हुआ। वह भी तब जब अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश भारत पर रूस के साथ बढ़ते व्यापारिक रिश्तों को कम करने का दबाव बना रहे हैं। इसके बावजूद भारत तटस्थ है। यही कारण है कि विदेश मंत्री के इस दौरे पर पूरी दुनिया की नजर टिकी थी।

ऐसे में आइए जानते हैं कि कैसे दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते बढ़ रहे हैं? इसके क्या कारण हैं? विशेषज्ञों का क्या कहना है?

पश्चिमी देशों के ऐतराज के बाद भी भारत–रूस के रिश्ते क्यों मजबूत हो रहे? इसे समझने के लिए हमने विदेश मामलों के जानकार डॉ. आदित्य पटेल से बात की। उन्होंने कहा, श्अमेरिका समेत कई पश्चिमी देश रूस को कूटनीतिक तौर पर अलग–थलग करने की कोशिश कर रहे हैं। कई पश्चिमी कंपनियों ने रूस में अपना कारोबार बंद कर दिया है और निवेश भी रोक दिया है। कुछ कंपनियां और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड रूस से वापस लौट गए हैं। इससे रूस को भी काफी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

डॉ. आदित्य कहते हैं, श्भारत पर भी इसके लिए दबाव बनाया जा रहा है। अमेरिका कई बार रूस से भारत के व्यापारिक रिश्तों पर तंज कस चुका है। हाल ही में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर हुई बातचीत के दौरान रूस–यूक्रेन का मसला उठाया था। ब्रिटेन के विदेश मंत्री जेम्स क्लेवरली ने पिछले हफ्ते दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री जयशंकर के साथ मुलाकात के दौरान भी इस पर चर्चा की थी।'

'लगातार पड़ रहे दबाव के बाद भी भारत इस मामले में तटस्थ है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर, शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी समेत भारत सरकार के कई मंत्री और अफसर इसको लेकर दो टूक बयान देते रहे हैं। पश्चिमी मीडिया में भी भारत खुलकर अपने फैसले को सही बताता रहा है। भारत ने साफ कहा है कि वह किसी गुट में शामिल नहीं होगा। भारत रूस के साथ रिश्ते अच्छे हैं और करोड़ों नागरिकों के हित में जो सही होगा, उसी के अनुसार भारत अपना फैसला लेगा।

डॉ. आदित्य के अनुसार, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर में उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में शामिल हुए थे। यहां भी उनकी मुलाकात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से हुई थी। इसके पहले पिछले साल दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति भारत आए थे। विदेश मंत्री ने जुलाई 2021 में रूस का दौरा किया था और उसके बाद अप्रैल 2022 में रूसी विदेश मंत्री ने नई दिल्ली की यात्रा की। मतलब लगातार दोनों देशों के रिश्ते बेहतर हो रहे हैं

उन्होंने आगे कहा, श्भारत के सामने अपनी कई चुनौतियां हैं। खासतौर पर महंगाई और आर्थिक तौर पर देश को मजबूत बनाना। इसके लिए जरूरी देशों के साथ रिश्ते मजबूत रखना महत्वपूर्ण है। रूस से भारत कई चीजें आयात करता है। इसमें ईंधन भी शामिल है। यूक्रेन युद्ध के शुरू होने के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस पर प्रतिबंध लगाने शुरू किए तो भारत को एक अच्छा मौका मिल गया। रूस ने भारत को कम दाम पर ईंधन देने की पेशकश की। इसके जरिए तेल के दाम स्थिर करने में भारत को मदद मिली। रक्षा क्षेत्र में भी रूस भारत का महत्वपूर्ण साझेदार है। ऐसे में भारत और रूस के बीच बेहतर रिश्ते रखना जरूरी है।

डॉ. आदित्य ने आगे कहा, श्भारत–चीन और पाकिस्तान के बीच तनाव के बारे में सभी को मालूम है। जबकि चीन और रूस के रिश्ते भी अच्छे हैं। ऐसे में भारत–चीन के बीच तनाव की स्थिति में रूस काफी मदद कर सकता है। आर्थिक तौर पर भारत को मजबूत बनाने में भी रूस की भूमिका काफी अहम होने वाली है। रूस ने एक समझौते के तहत मेक इन इंडिया प्रोग्राम को आगे बढ़ाने का फैसला लिया है। इसके अनुसार, रूसी कंपनियां भारत में अपने प्लांट लगाएंगी।

व्यापार को मिली नई पहचान

दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्ते भी काफी मजबूत हुए हैं। यही कारण है कि भारत–रूस द्विपक्षीय व्यापार में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज हुई है। इस साल अप्रैल से अगस्त के बीच, सिर्फ पांच महीनों में द्विपक्षीय व्यापार 18.2 अरब डॉलर रहा। पिछले साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो ये आंकड़ा केवल आठ अरब डॉलर था।

रूस से भारत अब भारी मात्रा में कच्चे तेल और फर्टिलाइजर का आयात कर रहा है। अगस्त तक हुए 18.2 अरब डॉलर के व्यापार में 91: हिस्सेदारी कच्चे तेल और फर्टिलाइजर का ही था। आने वाले समय में इसमें और बढ़ोतरी होगी। ऐसा इसलिए क्योंकि दोनों देश स्थानीय मुद्रा में व्यापार को बढ़ावा देने की तैयारी कर रहे हैं।

इसके अलावा रूस पर पश्चिमी देशों के लगे प्रतिबंधों के बाद रूसी तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई है। रूस ने कच्चे तेल के दाम में भारत को भारी छूट देना शुरू कर दिया। कहा जाता है कि भारत को ये तेल औसतन 60 डॉलर प्रति बैरल के हिसाब से मिलता है। भारत और रूस ने द्विपक्षीय व्यापार में 40 अरब डॉलर का लक्ष्य रखा है।

अमेरिका ने क्या कहा?

अमेरिका ने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की हालिया मॉस्को यात्रा में रूस–यूक्रेन जंग को लेकर दिए गए संदेश का समर्थन किया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि जयशंकर का रूस को संदेश पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा पूर्व में दिए गए बयान से भिन्न नहीं है। मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा था कि श्यह जंग का युग नहीं है।श

अमेरिकी प्रवक्ता नेड प्राइस ने कहा कि भारत ने एक बार फिर यूक्रेन जंग के खिलाफ राय दी है। वह इस जंग का कूटनीति और बातचीत से खात्मा चाहता है। उन्होंने कहा कि रूसी लोग भारत जैसे उन देशों के संदेश को सुनें, जिनके पास आर्थिक, राजनयिक, सामाजिक और राजनीतिक ताकत है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने यूएन में साफतौर पर कहा था कि यह समय युद्ध का नहीं है। जयशंकर का रूस को ताजा संदेश हमें उससे अलग नजर नहीं आता है।

ऊर्जा और रक्षा सहायता के लिए रूस भरोसेमंद नहीं इसके साथ ही नेड प्राइस ने भारत को आगाह किया कि रूस ऊर्जा और सुरक्षा सहायता को लेकर भरोसेमंद नहीं है। भारत यदि समय के साथ रूस पर अपनी निर्भरता कम करेगा तो यह न केवल यूक्रेन या क्षेत्र के हित में होगा, बल्कि यह भारत के अपने द्विपक्षीय हित में भी होगा, यह हमने रूस के रवैये को देखते हुए महसूस किया है। नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पूछे गए सवाल के जवाब में अमेरिकी प्रवक्ता ने यह बात कही। नेड प्राइस ने कहा कि अमेरिका ने भारत के साथ हर क्षेत्र में साझेदारी को मजबूत किया है। इनमें आर्थिक, सुरक्षा, सैन्य सहयोग भी शामिल है।भारतीय विदेश मंत्री जयशंकर बुधवार सुबह ही मॉस्को से लौटे हैं।

MEDIA NEWS

झुग्गी झोपड़ी

हिन्दी दैनिक

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश व अन्य प्रदेश मे कार्य करने हेतु लोगो की आवश्यकता है

संपर्कः- 277/129 चकिया जगमल का हाता

जनपद प्रयागराज पिन कोड 211016

उत्तर प्रदेश

9918366626 , 9140343290

पाकिस्तान 13 साल बाद टी20 विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया

पाकिस्तान ने न्यूजीलैंड को सात विकेट से हराया पाकिस्तान ने पहले सेमीफाइनल मैच में न्यूजीलैंड को सात विकेट से हरा दिया है। न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 152 रन बनाए थे। न्यूजीलैंड के लिए डेरेल मिचेल ने 53 और केन विलियमसन ने 46 रन बनाए थे। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी ने दो विकेट लिए थे। 153 रन का पीछा करते हुए बाबर और रिजवान की जोड़ी ने पाकिस्तान को शानदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 105 रन की साझेदारी कर पाकिस्तान की जत तय कर दी। बाबर ने 53 और रिजवान ने 57 रन बनाए। अंत में हारिस रऊफ ने 30 रन की पारी खेल पाकिस्तान को जीत के पार पहुंचाया। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट ने दो विकेट लिए। पाकिस्तान की टीम 2009 के बाद पहली बार टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची है। अब फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान का सामना भारत और इंग्लैंड के मैच के विजेता से होगा।मैच खत्म होने से ठीक पहले पाकिस्तान का तीसरा विकेट गिरा है। हालांकि, पाकिस्तान की जीत लगभग तय है। पाकिस्तान को जीत के लिए आखिरी ओवर में दो रन की जरूरत है। मोहम्मद हारिस 26 गेंद में 30 रन बनाकर आउट हुए।132 रन के स्कोर पर पाकिस्तान का दूसरा विकेट गिरा है। मोहम्मद रिजवान 43 गेंद में 57 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर लोकी फर्ग्यूसन ने उनका कैच पकड़ा। 18 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर दो विकेट पर 145 रन है।बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की शानदार गेंदबाजी के चलते पाकिस्तान की टीम जीत के करीब पहुंच चुकी है। फिलहाल मोहम्मद रिजवान और हारिस रऊफ क्रीज पर है।बाबर आजम के बाद मोहम्मद रिजवान ने भी अपना अध्‌शतक पूरा कर लिया है। फाइनल मैच से पहले पाकिस्तान के लिए यह बहुत अच्छी खबर है। टीम को दोनों स्टार बल्लेबाज लय में आ चुके हैं। इस विश्व कप में ये दोनों खराब फॉर्म से जूझ रहे थे, लेकिन फाइनल में मैच से पहले लय में आ गए हैं। रिजवान ने अब तक 36 गेंद में 50 रन बनाए हैं और पांच चौके लगाए हैं। 15 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर एक विकेट पर 122 रन है।105 रन के स्कोर पर पाकिस्तान का पहला विकेट गिरा है। बाबर आजम 53 रन बनाकर आउट हो चुके हैं। ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर डेरेल मिचेल ने उनका कैच पकड़ा। हालांकि, आउट होने से पहले बाबर ने शानदार पारी खेली और अपना काम करके गए हैं। पाकिस्तान की टीम अभी भी मजबूत स्थिति में है। 13 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर एक विकेट पर 109 रन है।बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के बीच शतकीय साझेदारी हो चुकी है। दोनों बल्लेबाज बेहतरीन लय में खेल रहे हैं और मैच में पाकिस्तान की पकड़ मजबूत हो गई है। बाबर आजम अपना अर्धशतक पूरा कर चुके हैं और रिजवान भी अर्धशतक के करीब हैं। अब पाकिस्तान का फाइनल में पहुंचना बहुत आसान है। 12 ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 102 रन है।बाबर आजम ने अपना अर्धशतक पूरा कर लिया है। उन्होंने अब तक 38 गेंद में 50 रन बनाए हैं। उनके बल्ले से सात चौके निकले हैं। बाबर की शानदार पारी ने पाकिस्तान को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है।बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की जोड़ी इस मैच में शानदार अंदाज में खेल रही है। इन दोनों ने पहले विकेट के लिए बेहतरीन साझेदारी कर अपनी टीम को बेहद मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। यहां से पाकिस्तान के लिए मैच जीतना बेहद आसान होगा। 10 ओवर में पाकिस्तान ने बिना कोई विकेट खोए 87 रन बना लिए हैं। अब पाकिस्तान को जीत के लिए अगले 10 ओवर में 66 रन की जरूरत है, जबकि उनके सभी 10 विकेट बचे हुए हैं।153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पहले विकेट के लिए शानदार साझेदारी की है। दोनों बेहतरीन लय में दिख रहे हैं और पाकिस्तान की टीम को मजबूत स्थिति में ले जा चुके हैं। इस विश्व कप में यह पहला मौक है, जब इन दोनों ने अर्धशतकीय साझेदारी की है। आठ ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 68 रन हो चुका है। पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 50 रन के पार जा चुका है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। खासकर रिजवान तूफानी अंदाज में रन बना रहे हैं। छह ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 55 रन हो चुका है। रिजवान 28 और बाबर 25 रन बनाकर खेल रहे हैं।न्यूजीलैंड के ट्रेंट बोल्ट लय में नहीं हैं। उन्होंने अपने दूसरे ओवर में 15 रन खर्च कर दिए और पाकिस्तान की टीम लय पकड़ चुकी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान लंबे समय बाद बेहतरीन लय में दिख रहे हैं। दोनों अच्छे स्ट्राइक रेट से रन बना रहे हैं। बाबर 14 और रिजवान 18 रन बनाकर खेल रहे हैं। चार ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 32 रन है।टिम साउदी ने दूसरे ओवर में कसी हुई गेंदबाजी की और सिर्फ दो रन दिए। दो ओवर के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के नौ रन है। अगर कीवी गेंदबाज कंजूसी से गेंदबाजी करके दबाव बनाते हैं तो विकेट की संभावना बन सकती है। फिलहाल बाबर दो रन और रिजवान सात रन बनाकर खेल रहे हैं।153 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की बल्लेबाजी शुरू हो चुकी है। बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान ने पारी की शुरुआत की है। न्यूजीलैंड के लिए ट्रेंट बोल्ट पहला ओवर कर रहे हैं। मोहम्मद रिजवान ने पारी की पहली गेंद पर चौका लगाकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई है। इस बीच न्यूजीलैंड के विकेटकीपर ने पहली ही गेंद पर बाबर आजम का कैच छोड़, उन्हें बड़ा जीवनदान दिया है। पहले ओवर का खेल खत्म होने के बाद पाकिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के सात रन है।न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान के सामने 153 रन का लक्ष्य रखा है। इस मैच में न्यूजीलैंड की शुरुआत बेहद खराब रही थी। विस्फोटक फिन एलेन सिर्फ चार रन बनाकर पहले ही ओवर में पवेलियन लौट गए थे। इसके बाद डेवोन कॉन्वे 21 और ग्लेन फिलिप्स छह रन बनाकर आउट हो गए। 49 रन के स्कोर पर तीन विकेट गंवाकर कीवी टीम संघर्ष कर रही थी। इसके बाद कप्तान केन विलियमसन और डेरेल मिचेल ने 68 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 117 रन तक पहुंचाया। केन विलियमसन 42 गेंद में 46 रन बनाकर आउट हुए। वहीं डेरिल मिशेल ने 35 गेंद में नाबाद 53 रन बनाए। अंत में जेम्स नीशम ने 12 गेंद में 16 रन बनाकर न्यूजीलैंड का स्कोर चार विकेट पर 152 रन तक पहुंचाया। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी ने दो विकेट लिए। मोहम्मद नवाज को एक विकेट मिला। न्यूजीलैंड को चौथा झटका 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर लगा। कप्तान केन विलियमसन 42 गेंद पर 46 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने अपनी पारी में एक चौका और एक छक्का लगाया। विलियमसन के आउट होने के बाद जेम्स नीशम क्रीज पर आए हैं।न्यूजीलैंड की पारी के 16 ओवर समाप्त हो गए हैं। उसने तीन विकेट पर 116 रन बना लिए हैं। केन विलियमसन और डेरेल मिचेल ने चौथे विकेट के लिए 48 गेंद पर 67 रन की साझेदारी कर ली है। विलियमसन 41 गेंद पर 46 और मिचेल 24 गेंद पर 38 रन बनाकर खेल रहे हैं।न्यूजीलैंड की पारी को कप्तान केन विलियमसन और डेरेल मिचेल ने संभाल लिया है। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 30 गेंद पर 40 रनों की साझेदारी कर ली है। न्यूजीलैंड ने 13 ओवर में तीन विकेट पर 89 रन बनाए हैं। विलियमसन 32 गेंद पर 35 और डेरेल मिचेल 15 गेंद पर 22 रन बनाकर नाबाद हैं।न्यूजीलैंड की पारी के 10

ओवर समाप्त हो चुके हैं। उसने तीन विकेट पर 59 रन बनाए हैं। कप्तान केन विलियमसन 24 गेंद पर 23 और डेरेल मिचेल पांच गेंद पर पांच रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों के ऊपर एक बड़ी साझेदारी करनी की जिम्मेदारी है।न्यूजीलैंड को तीसरा झटका आठवें ओवर में लगा। मोहम्मद नवाज की गेंद पर ग्लेन फिलिप्स पवेलियन लौट गए। फिलिप्स ने उन्हें ही सामने की तरफ कैच थमा दिया। फिलिप्स ने आठ गेंद पर छह रन बनाए। न्यूजीलैंड ने आठ ओवर में तीन विकेट पर 49 रन बना लिए हैं। केन विलियमसन 17 गेंद पर 18 रन बनाकर नाबाद हैं। फिलिप्स के बाद डेरेल मिचेल क्रीज पर आए हैं।न्यूजीलैंड की पारी के छह ओवर समाप्त हो चुके हैं। उसने पावरप्ले में दो विकेट गंवाए। छठे ओवर की आखिरी गेंद पर डेवोन कॉनवे एक रन लेने के प्रयास में रनआउट हो गए। उन्हें शादाब खान ने सीधे थ्रो पर पवेलियन भेज दिया। कॉनवे ने 20 गेंद पर 21 रन बनाए। न्यूजीलैंड ने छह ओवर में दो विकेट पर 38 रन बना लिए हैं।न्यूजीलैंड ने तीन ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 19 रन बना लिए हैं। डेवोन कॉनवे 11 गेंद पर 10 रन और कप्तान केन विलियमसन चार गेंद पर पांच रन बनाकर नाबाद हैं। दूसरे ओवर में कॉनवे ने नसीम शाह को दो चौके मारे थे।न्यूजीलैंड को पहला झटका शाहीन अफरीदी ने दिया। उन्होंने ओवर की तीसरी गेंद पर फिन एलेन को आउट कर दिया। एलेन ने पहली गेंद पर चौका लगाया था। इसके बाद दूसरी गेंद पर वह एलबीडब्ल्यू होने से बाल–बाल बचे थे। तब गेंद पहले बैट से लगी थी। तीसरी गेंद पर एलेन नहीं बच पाए। वह आगे बढ़कर गेंद को दूर मारना चाहते थे, लेकिन एलबीडब्ल्यू आउट हो गए। उन्होंने तीन गेंद पर चार रन बनाए। एलेन के आउट होने के बाद केन विलियमसन क्रीज पर उतरे हैं।न्यूजीलैंड की पारी शुरू हो गई है। विस्फोटक ओपनर फिन एलेन और डेवोन कॉनवे क्रीज पर हैं। पाकिस्तान के लिए शाहीन अफरीदी ने गेंदबाजी की शुरुआत की है।पाकिस्तान की टीम की बात करें तो वह काफी यंग नजर आती है। टीम के 15 में से 9 खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने अभी तक शादी नहीं की है। टीम के कप्तान बाबर आजम समेत ये सभी प्लेयर्स अनमैरिड हैं– हैदर अली (भ्पकमत ंसप), शादाब खान (ैंकंइ झींद), हारिस रऊफ (भ्तपे त्नंि), मोहम्मद हसनैन (डवींउउंक भ्ेंदंपद), मोहम्मद वसीम (डवींउउंक ॅंपउ), नसीम शाह (छंेममउ ैींी), शाहीन शाह अफरीदी (ैींममद ।तिपकप) और शान मसूद (ैींद डेववक)।पाकिस्तानरू मोहम्मद रिजवान (विकेटकीपर), बाबर आजम (कप्तान), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद हारिस, शान मसूद, इफ्तिखार अहमद, शादाब खान, मोहम्मद वसीम जूनियर, नसीम शाह, हारिस रऊफ, शाहीन अफरीदी।न्यूजीलैंडरू फिन एलेन, डेवोन कॉनवे (विकेटकीपर), केन विलियमसन (कप्तान), ग्लेन फिलिप्स, डेरेले मिचेल, जेम्स नीशम, मिशेल सैंटनर, टिम साउदी, ईश सोढ़ी, लॉकी फर्ग्यूसन, ट्रेंट बोल्ट।सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। इस टी20 वर्ल्ड कप में सिडनी में अब तक पांच बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम जीती है। वहीं, दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने वाली टीम सिर्फ एक मैच जीत पाई है। ऐसे में टॉस ने न्यूजीलैंड का साथ दिया है। दोनों टीमों ने प्लेइंग–11 में कोई बदलाव नहीं किया है।

हिंदी में सोचने से ही होगा हिंदी सिनेमा का कल्याण, हरिद्वार की यादों का खुला पिटारा’

श्रिया सरन दक्षिण भारत की उन बेहतरीन अभिनेत्रियों में शामिल हैं, जिनकी सुंदरता के चर्चे दुनिया जहान में होते रहते हैं। हिंदी सिनेमा से उनका रिश्ता लगातार बना रहा है और जब लोगों को पता चलता है कि बचपन के 15 साल उनके हरिद्वार में बीते हैं तो वे चौंक जाते हैं। श्रिया का हिंदी अखबारों से करीब का नाता रहा है। वह बताती हैं, ‘नानाजी मेरे रोज सुबह ‘अमर उजाला’ अखबार ही पढ़ते थे। हमें भी अखबार पढ़ने को कहा जाता था और मैं ये बात गर्व से कह सकती हूं कि मेरी बोलचाल की हिंदी को मजबूत करने में हिंदी अखबारों का बहुत बड़ा योगदान रहा है।’ श्रिया सरन से ‘अमर उजाला’ की एक एक्सक्लूसिव मुलाकात...

श्रिया सरन

हिंदी सिनेमा के लिए हिंदी को कितना जरूरी समझती हैं आप?

हिंदी सिनेमा के लिए हिंदी बोलना बहुत ही जरूरी है। हमें घर में इसीलिए हिंदी अखबार पढ़ने की सलाह दी जाती थी ताकि बोलचाल की भाषा शुद्ध हो जाए। हमें ऊंची आवाज में बोल बोलकर पढ़ने की सलाह दी जाती थी ताकि उच्चारण सही हो। अभी देखकर बड़ा दुख होता है कि लोगों ने पढ़ना ही बंद कर दिया है। पंचतंत्र की कहानियां बचपन में मैंने बहुत पढ़ी हैं लेकिन अब पता नहीं कि वैसी किताबें मिलती भी हैं कि नहीं।

श्रिया सरन

आप हरिद्वार से हैं तो जाहिर है हिंदी अखबारों से आपका तो नाता रहा ही होगा?

हरिद्वार में हमारे घर में अखबार पढ़ना बहुत ही जरूरी होता था। जब मैं छोटी थी तो मेरा बोलने का तरीका ठीक नहीं था तो मुझे अखबार पढ़ने की सलाह दी जाती थी। हिंदी तो मैं बहुत ही खराब बोलती थी कभी–कभी तो हिंदी में फेल भी हो जाती थी। मेरी टीचर मुझे हिंदी अखबार पढ़ने की सलाह देती थी जिससे मेरा उच्चारण सही हो जाए, मेरे घर में हिंदी में ही बात करने की परंपरा थी। मेरे नाना ‘अमर उजाला’ अखबार ही पढ़ा करते थे और उनका यह मानना था कि अखबार में जो लिखा होता है वह 100 प्रतिशत सही होता है। मेरा मानना है कि हिंदी पढ़ेंगे और हिंदी में सोचेंगे तभी हिंदी सिनेमा को समझ पाएंगे।

श्रिया सरन

तो हरिद्वार की तो अब बहुत याद आती होगी?

मैं हरिद्वार काफी समय से गई नहीं। बचपन से लेकर 15 साल तक मैं हरिद्वार में ही थी और उसके बाद दिल्ली आ गई। हरिद्वार की जिंदगी बहुत ही अच्छी थी, साइकिल से स्कूल और लाइब्रेरी जाती थी। उस समय कुछ खाना–पीना होता था तो पड़ोस वाली आंटी से दोस्ती करके रखते थे ताकि कुछ खाने–पीने को मिल जाए क्योंकि उस समय उतने कैफे वगैरह नहीं थे जहां पर जाकर कुछ खा पी सके। यह उन दिनों की बात है जब हमारे यहां केबल तक नहीं आया था और हम सिर्फ दूरदर्शन देखा करते थे। उस समय श्देख भाई देखश सीरियल देखकर बहुत आनंद मिलता था। उन दिनों बहुत ही साध्ाारण जिंदगी थी और जीने का एक अलग ही मजा था। कभी जंगल में घूमने चले गए कभी नदी किनारे घूमने चले गए। यह सब चीजें मुझे बहुत याद आती हैं।

आपकी जल्द रिलीज हो रही फिल्म श्दृश्यम 2श की बात करते हैं। इसकी पहली कड़ी में आप काम कर ही चुकी हैं तो इसकी सीक्वल को लेकर कितना उत्साह रहा?

इस फिल्म को लेकर मैं बहुत उत्साहित थी। सात साल से नंदिनी एक सच को दिल में छुपाए किस घुटन से जी रही है यह फिल्म में दिखाया गया है। यह एक ऐसी बात है जिसे आप किसी से कभी साझा नहीं सकते। इस दौरान उसके बच्चों पर क्या गुजरी होगी? सोचकर ही मन सिहर जाता है। मैंने नंदिनी के किरदार को फिर से जिया है। फिल्म की शूटिंग के पहले दिन हम चारों लोग बैठकर सुबह का नाश्ता कर रहे थे तभी मेरे मुंह से ‘दृश्यम’ के निर्देशक स्वर्गीय निशिकांत कामत का नाम निकल गया फिर याद आया अरे इस फिल्म को तो अभिषेक निर्देशित कर रहे हैं।

श्दृश्यमश का निर्देशन निशिकांत ने किया और अब इसकी सीक्वल ‘दृश्यम 2’ का निर्देशन अभिषेक कर रहे हैं। दोनों में तुलना तो होगी ही, आपके हिसाब से अभिषेक पाठक लोगों की अपेक्षाओं पर कितना खरा उतरेंगे?

अभिषेक पाठक ने फिल्म ‘दृश्यम 2’ बहुत अच्छे से बनाई है और बहुत ही अच्छा काम किया है। किरदार तो वही हैं लेकिन इन्होंने इसमें अपना नजरिया भी डाला है और अपने तरीके से बनाया है। इतने साल से काम करके मुझे ये तो समझ आ ही जाता है कि फिल्म कैस बन रही है। ‘दृश्यम 2’ एक बेहद शानदार फिल्म बनी है, बाकी जब फिल्म रिलीज होगी तो दर्शक भी देखकर समझ ही जाएंगे कि फिल्म कैसी बनी है।

दक्षिण भारतीय सिनेमा से आने वाली तमाम अभिनेत्रियों को हिंदी सिनेमा में शोहरत मिलती रही है, लेकिन अब ऐसा कम होता दिखता है, क्या भौगोलिक परिदृश्य के हिसाब से सुंदरता के मायने बदल जाते हैं?

इस बार में कुछ भी ठोस तरीके से तो कह पाना बहुत मुश्किल है लेकिन जहां तक मैं समझती हूं इसमें किस्मत का भी हाथ होता है। मैं सौभाग्यशाली हूं कि मुझे दक्षिण भारतीय फिल्मों के साथ साथ हिंदी सिनेमा में भी काम करने का मौका मिला। जो अच्छा हुआ उसके लिए मैं सभी की बहुत आभारी हूं और जो नहीं हुआ, या जो नहीं मिला उसके बारे में ज्यादा सोचने से फायदा नहीं। हां, मैं यह कोशिश कर सकती हूं कि जो गलतियां मुझसे पहले फिल्मों के चुनाव को लेकर हुई हैं वे दोबारा ना हो।

श्रीदेवी, माधुरी दीक्षित, करीना कपूर जैसी शादीशुदा अभिनेत्रियों को मां बनने के बाद भी अच्छा काम मिला और उनकी सेकेंड इनिंग्स भी शानदार रही है। दर्शकों की सोच में आए इस बदलाव को आप कैसे देखती हैं?

अगर गौर किया जाए तो तीस चालीस साल पहले तक शादीशुदा अभिनेत्रियां धड़ल्ले से काम करती थीं। फिर बीच में ऐसा दौर आया कि शादी करने और मां बनने के बाद खुद अभिनेत्रियों ने ही काम करना बंद कर दिया। शायद तब उनके हिसाब से कहानियां भी नहीं लिखी जा रही थीं। अब लेखक प्रौढ़ महिलाओं के हिसाब से भी अच्छी कहानियां लिख रहे हैं और इसके चलते सबको अच्छा काम करने का मौका मिल रहा है। मेरे हिसाब से सिनेमा में अब अभिनेत्रियों की वैवाहिक स्थिति की तरफ दर्शक ध्यान नहीं देते बशर्ते परदे पर उनका अभिनय अच्छा हो रहा हो।

कांतारा के हीरो ऋषभ शेट्टी को नहीं बॉलीवुड में दिलचस्पी! बोले– कन्नड़ सिनेमा में बसती है आत्मा

इन दिनों फिल्म श्कांताराश का खूब हल्ला है। मूल रूप से कन्नड़ भाषा में बनी ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म श्कांताराश ने बॉक्स ऑफिस जमकर कमाई की है। फिल्म की जबरदस्त मांग को देखते हुए इसे हिंदी भाषा में डब करके हिंदी मार्केट के लिए भी रिलीज किया गया। हालांकि, ऋषभ शेट्टी ने श्कांताराश को लेकर कहा था कि वह नहीं चाहते कि बॉलीवुड में इस फिल्म का रीमेक बनाया जाए। और... अब ऋषभ शेट्टी ने हिंदी फिल्मों में काम करने से ही इनकार कर दिया है। जी हां, रिपोर्ट्स के मुताबिक ऋषभ ने कहा है कि वह खुद भी बॉलीवुड में काम नहीं करना चाहते।

बोले– एक हिट से कुछ नहीं बदलेगा गौरतलब है कि ऋषभ शेट्टी कन्नड़ फिल्मों के सुपरस्टार हैं। उन्होंने करियर की शुरुआत से ही इस भाषा की फिल्में की हैं। हालांकि, फिल्म श्कांताराश ने ऋषभ शेट्टी को पैन इंडिया स्टार बना दिया। श्कांताराश की चर्चा के साथ–साथ सिनेमा में ऋषभ शेट्टी का भी खूब बोलबाला है। अक्सर देखा जाता है कि क्षेत्रीय कलाकारों की निगाह बॉलीवुड पर टिकी होती है। सफलता मिलते ही वे हिंदी फिल्म में एंट्री करना चाहते हैं, मगर इस मामले में ऋषभ शेट्टी ने मना कर दिया है। हाल ही में एक मीडिया बातचीत के दौरान बॉलीवुड में काम करने को लेकर ऋषभ शेट्टी ने कहा, श्मैं कन्नड़ फिल्में करना चाहता हूं। मुझे कन्नडिगा होने पर गर्व है। यह कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री और कन्नड़ के लोगों की बदौलत ही हो सका है कि मैं आज इस मुकाम पर हूं। सिर्फ इसलिए कि एक फिल्म हिट हो जाती है, मेरा परिवार और दोस्त नहीं बदल जाएंगे। मेरी आत्मा कन्नड़ सिनेमा में ही बसती है।

ये सितारे भी कर चुके हैं इनकार बता दें कि ऋषभ शेट्टी ऐसे इकलौते साउथ स्टार नहीं, जिन्होंने बॉलीवुड फिल्मों में रुचि नहीं दिखाई। उनसे पहले दक्षिण के और भी सितारे बॉलीवुड में काम करने का ऑफर ठुकरा चुके हैं। इनमें श्केजीएफश स्टार यश और तेलुगू फिल्मों के सुपरस्टार महेश बाबू का भी नाम शामिल है। एक बातचीत के दौरान महेश बाबू ने तो यह तक कह दिया था कि श्बॉलीवुड उन्हें अफोर्ड नहीं कर सकताश।

बताई थी हिंदी फिल्मों के न चलने की वजह आपको बता दें कि इससे पहले ऋषभ शेट्टी ने एक बातचीत के दौरान यह भी कहा था कि बॉलीवुड की फिल्में लगातार क्यों फ्लॉप हो रही हैं! उन्होंने कहा था, श्अब बॉलीवुड फिल्ममेकर्स पर पश्चिम का ज्यादा प्रभाव है। वो वहीं की चीजें और हॉलीवुड को यहां लाने की कोशिश कर रहे हैं। मेकर्स को यह बात ध्यान रखनी होगी कि वो फिल्में दर्शकों के लिए बना रहे हैं, अपने लिए नहीं। मेकर्स को ऐसी कहानियां पेश करनी होंगी, जिनसे दर्शक खुद को जोड़ सकें।श बात कांतारा की करें तो रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म 16 करोड़ रुपये के बजट में बनी। 30 सितंबर 2022 को रिलीज हुई इस फिल्म का निर्देशन ऋषभ शेट्टी ने ही किया है और अभिनय भी उन्होंने ही किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म अब तक 274.24 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर चुकी है।

झुग्गी झोपड़ी

सत्वाधिकार, मुद्रक एवं प्रकाशक संजय कुमार यादव द्वारा रमा प्रिंटिंगप्रेस 53/25/1ए, बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित रहीमाबाद पोस्ट कटहुला गौसपुर जिला प्रयागराज तहसील सदर से प्रकाशित

सम्पादक
संजय कुमार यादव

RNI No.:
UPHIN/2015/63182
दूरभष : 0532–2618074
मोबाईल : 9918366626
डाक पंजिकृत ए/बी 123/21.23
e-mail:
Jhuggijhopari@gmail.com
Website-
www.Jhuggijhopari.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदाई तथा इन से उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा